डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
26 फरवरी 2026 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
30.6 अधिकतम
15.0 न्यूनतम

Page-7

एआई की दौड़ में फर्राटा भरते रहना अब अनिवार्य, बस... कदम हों संभले हुए

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

एआई में भारत-कल, आज और कल: पार्ट 3

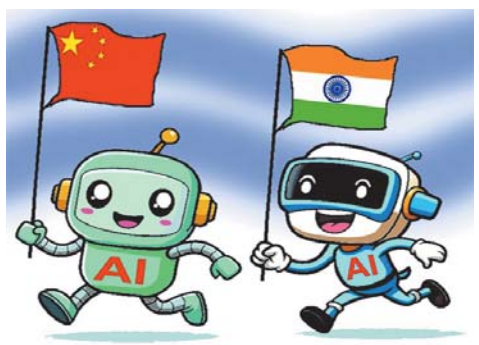

एआई के क्षेत्र में शुरूआती लक्ष्य के रूप में भारत के स्वदेशी 'भारत जीपीटी' पर काम शुरू हो गया है जो इसी साल आ जाएगा। इस मोर्चे पर आईआईटी बाम्बे पूरे जोर शोर से लगा है। भारत का हिंदी सर्वम एआई हिंदी में पहले ही आ चुका है। 26-27 में भारत का बहुभाषी एआई मॉडल अपेक्षित है तो 20-2030 के बीच वैश्विक स्तर का चैटजीपीटी आने की सभावना है। भारत अभी चिप के निर्माण में काफी पीछे है। इसके चलते वह एनवीडिया, एएएमडी तथा ताईवान से आयात पर निर्भर है। 2021 से चल रहे सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम

के तहत स्वदेशी चिप का निर्माण शुरू हो चुका है। यह अगले साल तक आ सकती है। 2030 तक एडवांस एआई चिप आ सकती है लेकिन चिप निर्माण के मामले में पूरी तरह आत्म निर्भर बनने में 10 से 15 साल लग सकते हैं। सेमी कंडक्टर बनाने के लिए सरकार ने 76000 करोड़ का प्रावधान किया है। फिलहाल एआई के क्षेत्र में चीन से भारत अभी काफी पीछे है, लेकिन पांच से सात साल के भीतर भारत चीन की बराबरी पर आ जाएगा। चीन का निवेश काफी ज्यादा है। भारत का उसके मुकाबले मध्यम है। एआई पेटेंट के मामले में चीन टॉप पर है तो भारत उसके मुकाबले पीछे। एआई टेलेंट के मामले में चीन यदि उच्च स्तर पर है तो भारत उच्चतम और शिखर पर है। चीन में बायडू, अलीबाबा तथा तेनसेंत जैसी कंपनियां है तो भारत में इंफोसिस तथा टीसीएस है। अगर कुल मिलाकर देखें तो अमेरिका नवाचार और नई खोजों का लीडर है तो चीन स्केल और हार्डवेयर में सबसे आगे। भारत टेलेंट और साफ्टवेयर का लीडर बन चुका है। आगे तीनों में जो रेस होगी वो सेक्टर हैं- सुपर कम्प्युटिंग पॉवर, डाटा एक्सिस तथा सरकारी निवेश। ... जारी

भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न

एआई को लेकर सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह तकनीक भविष्य में मानव बुद्धि से आगे निकल जाएगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई लगातार विकसित हो रहा है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब यह स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो मानव समाज के सामने नियंत्रण का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। इसलिए विशेषज्ञों का कहना है कि एआई का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि मानव इसे जिम्मेदारी से विकसित करता है या इसे अनियंत्रित रूप से बढ़ने देता है। कहने का आशय यही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न तो पूरी तरह वरदान है और न ही पूरी तरह अभिशाप। दुनिया एआई के दौर में ऐसी दौड़ में शरीक हो चुकी है जहां दौड़ते रहना एक शर्त बन चुकी है बशर्ते कि फर्राटा संभले हुए कदमों के साथ भरा जाए।

युद्ध में किलर रोबोट का खतरा बढ़ेगा

एआई का उपयोग अब केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं है, बल्कि सैन्य क्षेत्र में भी तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया के कई देश एआई आधारित ड्रोन, रोबोट सैनिक और स्वचालित हथियार विकसित कर रहे हैं। यह आशंका भी है कि भविष्य के युद्धों में मशीनें मानव हस्तक्षेप के फैसले से बगैर ही हमला कर सकती हैं। यदि ऐसा हुआ तो युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा और मानवीय नियंत्रण कमजोर हो जाएगा। इसी कारण वैज्ञानिक और मानवाधिकार संगठन किलर रोबोट पर वैश्विक प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं। एआई के कारण नौकरियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कई पारंपरिक काम मशीनें कर रही हैं, जिससे रोजगार पर खतरा बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में ऐसी लाखों लोगों की नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं जो वक्त के मुताबिक एआई से जुड़े कौशल के मुताबिक खुद को नहीं ढालते। यदि समय रहते कौशल विकास पर ध्यान नहीं दिया गया तो समाज में असमानता और बेरोजगारी बढ़ सकती है। इन खतरों को देखते हुए दुनिया भर में एआई के नियंत्रण को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विभिन्न देश एआई के उपयोग के लिए कानून और नियम बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन इसे सुरक्षित, पारदर्शी और जिम्मेदार बनाना जरूरी है। इसके लिए वैश्विक सहयोग और नैतिक मानकों की आवश्यकता होगी।

न्यूज विंडो

सुपर-8 में आज भारत और जिम्बाब्वे का मुकाबला

चेन्नई। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आज भारत और जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगे। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है। एक ओर भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका से करारी हार का झटका लगा, तो दूसरी ओर जिम्बाब्वे की टीम भी वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी शिकस्त झेल चुकी है। ऐसे में चेन्नई के चेपॉक में होने वाला यह मुकाबला रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है।

- विस्तृत खबर पेज 7 पर

पीएम मोदी के इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फॉलोअर्स

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक नया इतिहास रच दिया है। वह इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ (100 मिलियन) फॉलोअर्स पाने वाले दुनिया के पहले नेता और राजनेता बन गए हैं। उन्होंने 2014 में इंस्टाग्राम जॉइन किया था और पिछले एक दशक में उनका अकाउंट लगातार तेजी से बढ़ता रहा। यह उपलब्धि दर्शाती है कि अब राजनीतिक संवाद केवल पारंपरिक मीडिया तक सीमित नहीं रहा। इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म नेताओं को सीधे जनता से जोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़: सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को किया ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। सुरक्षाबलों द्वारा बीजापुर में इंद्रावती नदी के पास स्थित जंगलों में की गई कार्रवाई के बाद एसएलआर और एक इंसास राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं।

कनाडा में अपराधों से भारत का लेना-देना नहीं

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा से ठीक पहले ओटावा के कूटनीतिक रुख में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कनाडाई अधिकारी भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अब कनाडाई अधिकारी व्यापारिक चर्चा के साथ आर्थिक साझेदारी को फिर से पटरी पर लाने के लिए बातचीत को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने अपना पुराना स्टैंड बदलते हुए स्वीकार कर लिया है कि वहां अपराधों में भारत का कोई हाथ नहीं है।

आज का कार्टून

- आठवीं की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का चैप्टर शामिल था
- कोर्ट ने कहा - यह ज्यूडिशियरी को भ्रष्ट दिखने की गहरी साजिश
- वापस लेनी होगी हार्ड कॉपी डिजिटल वर्जन भी हटाया जाएगा

एनसीईआरटी की माफी मंजूर नहीं, किताब पर सुप्रीम कोर्ट का बैन... अफसरों को नोटिस

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब में 'ज्यूडिशियल करप्शन' (न्यायपालिका में भ्रष्टाचार) से जुड़े चैप्टर पर सुनवाई करते हुए विवादित किताब पर पूरी तरह बैन लगा दिया। साथ ही इसकी छपाई और वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी। किताब की सभी प्रिंट और डिजिटल कॉपियों को तुरंत जब्त कर सार्वजनिक पहुंच से हटाने का आदेश दिया। कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय के सचिव और एनसीआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने का निर्देश दिया है।

सीजेआई ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की एक गहरी और सोची-समझी साजिश लगती है। जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की

गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने चेतावनी दी कि इस मामले में अवमानना की कार्रवाई भी की जा सकती है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच कर रही है। अगली सुनवाई 11 मार्च को होगी।

एनसीईआरटी की क्लास 8वीं की सोशल साइंस की किताब में ज्यूडीशियल करप्शन (न्यायपालिका में भ्रष्टाचार) से जुड़े चैप्टर पर सुप्रीम कोर्ट ने खुद से नोटिस लिया है। NCERT निदेशक को आदेश दिया है कि वे राष्ट्रीय पाठ्यक्रम बोर्ड के उन सभी सदस्यों के नाम और उनकी योग्यता बताएं, जिन्होंने विवादित अध्याय लिखा। साथ ही जिन बैठकों में इस अध्याय पर चर्चा और अंतिम फैसला हुआ, उनकी पूरी कार्यवाही अगली सुनवाई में पेश की जाए। रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट एक समिति बनाएगा, जो पूरे मामले की जांच करेगी और जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगी। कोर्ट ने परिषद् को निर्देश दिया है कि वह केंद्र और राज्यों के शिक्षा विभागों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करे कि किताब की सभी प्रतियां चाहे दुकानों में हों या स्कूलों में, छपी हुई हों या डिजिटल, तुरंत लोगों की पहुंच से हटा दी जाएं। कोर्ट ने सभी राज्यों के शिक्षा विभागों के मुख्य सचिवों को आदेश दिया है कि वे दो हफ्तों के भीतर इस मामले में कार्रवाई की रिपोर्ट कोर्ट को सौंपें। कार्यवाही के दौरान सरकार की और से अधिवक्ता ने बिना शर्त माफी मांगी। इस पर कोर्ट ने कहा कि उन्हें जो नोटिस मिला है उसमे माफी का कोई जिक्र नहीं है।

दोषियों को बिना सजा के छोड़ना ठीक नहीं

सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने कहा कि यह जानबूझकर किया गया है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि यह हमारी संस्थागत जिम्मेदारी है कि पता लगाया जाए कि यह किताब में प्रकाशित हुआ या नहीं। रजिस्ट्रार जनरल को भेजी गई बातचीत में प्राधिकरण अपना बचाव कर रहा था। यह एक गहरी साजिश थी। उन्होंने कहा दोषियों को बिना सजा के छोड़ना ठीक नहीं। जब हम पर लगातार हमले हो रहे होते हैं, तब हमें यह भली-भांति ज्ञात है कि संतुलन कैसे बनाए रखना है। ये कॉपी बाजार में उपलब्ध हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह एक सुनियोजित कदम है। पूरे शिक्षण समुदाय को यह बताया जाएगा कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है और मामले लंबित हैं। फिर यह बात छात्रों तक जाएगी और उसके बाद अभिभावकों तक। यह एक गहरी जड़ें जमाए हुई साजिश है।

आंगनबाड़ी में टीकाकरण के बाद बच्चे की मौत

रतलाम. एजेंसी

रतलाम जिले में एक आंगनबाड़ी केंद्र पर टीकाकरण के बाद दो बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। टीका लगने के करीब एक घंटे बाद दोनों बच्चों को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। इलाज के दौरान 10 माह के एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि डेढ़ साल का दूसरा बच्चा अस्पताल में भर्ती है। मामला बिलपांक थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा गांव की आंगनबाड़ी केंद्र का है। यहां मंगलवार दोपहर बच्चों को टीके लगाए गए थे। गांव के धर्मेंद्र मालवीय के 10 माह के बेटे पियांशु और देवीलाल मालवीय के डेढ़ साल के बेटे नित्यांशु सहित कुल चार बच्चों को टीकाकरण किया गया था। बुधवार रात 10 माह के बच्चे की मौत हो गई।

3 टीके लगाए गए थे, एक घंटे बाद बिगड़ी तबीयतः धर्मेंद्र मालवीय के 10 माह के बेटे को कुल तीन टीके लगाए गए थे। इनमें से दो टीके हाथ पर और एक टीका जांघ पर लगाया गया था। टीकाकरण मंगलवार दोपहर 12.30 से 1 बजे के बीच किया गया था। टीका लगने के करीब डेढ़ से दो घंटे बाद, दोपहर लगभग 2.30 से 3 बजे के बीच बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी।

दो बार स्थगित हुई विधानसभा की कार्रवाई, समिति से जांच कराने की मांग

सिंगरौली कोल ब्लॉक पर विपक्ष का वॉकआउट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सिंगरौली जिले के धिरौली स्थित अडानी के कोल ब्लॉक का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि कोल ब्लॉक के लिए 8 गांवों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है और कलेक्टर की सूची के अनुसार 12,998 परिवार प्रभावित हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित आदिवासी परिवारों को पूरा मुआवजा नहीं मिला है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुआवजा राशि बाहरी लोगों को भी दी गई है। उन्होंने सदन में आरोप लगाया कि थाना प्रभारी

जितेंद्र भदौरिया की पत्नी को 15,94,990 रुपए और यातायात प्रभारी दीपेंद्र सिंह कुशवाह की पत्नी स्वाति सिंह के नाम पर 14,42,482 रुपए मुआवजा दिया गया। उन्होंने इस मामले की विधानसभा समिति से जांच कराने की मांग की। कांग्रेस विधायक जांच के लिए विधानसभा समिति गठित करने की मांग पर अड़े रहे। अध्यक्ष के आश्वासन के बावजूद कांग्रेस विधायक संतुष्ट नहीं हुए और विरोध जारी रखा। इसके बाद कांग्रेस के विधायकों ने विरोध स्वरूप सदन की कार्यवाही से वॉकआउट कर दिया। इस बीच सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। इधर, जावरा से बीजेपी विधायक राजेंद्र पांडे ने कहा कि मालवा क्षेत्र हमेशा शांत रहा है, लेकिन यहां अवैध नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गांजा, अफीम और डोडा चूरा के बाद अब एमडी ड्रग्स भी बनाई जा रही है। नशे की आड़ में अवैध हथियारों की तस्करी भी हो रही है।

कांग्रेसियों को पकड़ने पहुंची थी टीम, लगाया अपहरण का आरोप

दिल्ली-हिमाचल पुलिस के बीच टकराव

नईदिल्ली, एजेंसी

एआई समिट में शर्ट उतारकर प्रदर्शन वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पकड़ने गई दिल्ली पुलिस को बुधवार देर रात हिमाचल पुलिस ने रोक लिया। दोनों राज्यों की पुलिस के बीच काफी रस्साकशी हुई। सूत्रों के अनुसार दिल्ली से दबाव बढ़ने के बाद तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली। काफी देर तक चले हंगामे का आखिरकार कोर्ट में अंत हुआ और दिल्ली पुलिस की टीम तीनों को लेकर दिल्ली रवाना हो गई। बता दें कि इस मामले में अब तक 11 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। दरअसल, एआई समिट स्थल यान की भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर विरोध-प्रदर्शन किया था। इस पर दिल्ली पुलिस सिक्योरिटी तोड़ने और एंटी-नेशनल नारे लगाने के आरोप लगाते हुए यूथ

कांग्रेस वर्कर्स को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग राज्यों में रेड मारी जा रही है। इसी सिलसिले में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की एक टीम हिमाचल प्रदेश के रोहड़ पहुंची थी। टीम में 15-20 अधिकारी शामिल थे। रोहड़ के एक रिजॉर्ट से दिल्ली पुलिस 3 आरोपी सौरभ, सिद्धार्थ और अरबाज को लेकर अपनी गाड़ी में दिल्ली आ रही थी। लेकिन उन्हें शिमला के पास शोघी बैरियर पर रोक दिया। दिल्ली पुलिस की टीम पर अपहरण का आरोप लगाया गया।

सवाल तो उठेंगे सरकार ! आपकी ये लाचारी आखिर क्या कहती है...

निहितार्थ
अनिल शर्मा

कुपोषण की त्रासदी से जूझते मध्यप्रदेश में नौनिहालों का निवाला निगल जाने वाले रसूखदारों की करतूतों पर शोर - शराबा तो बहुत हुआ पर क्या कभी उन पर कानून का शिकंजा कसा जा सकेगा? इस सवाल का जवाब आज की तारीख तक तो 'नहीं' ही है। वजह - लोकायुक्त में उनके खिलाफ शुरू हुई जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है। कारण- सम्बंधित विभाग के अफसर लोकायुक्त को जरूरी जानकारी ही नहीं दे रहे हैं इसलिए वो लाचार है। इससे भी बड़ी लाचारी प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दिखाई देती है जो

दब गई पोषण आहार घोटाले की जांच

स्वयं यह स्वीकार रहे हैं कि एक साल से जांच इसलिए लंबित है क्योंकि अधिकारी लोकायुक्त का सहयोग नहीं कर रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल उठना लाजिमी है कि ऐसे कौन से ताकतवर लोग हैं जो निरंकुश होकर बैठे हैं और पूरी सरकार उनके सामने नतमस्तक है।

पहले बात सरकार की लाचारी की। मामला पोषण आहार और टेक होम राशन के घोटाले से जुड़ा है जिसमें लोकायुक्त कार्यालय ने पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और आजीविका मिशन के पूर्व सीईओ ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ एक साल पहले जांच शुरू की थी। लेकिन आज तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सका। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है, यह सवाल विधानसभा में आया तो खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसका जवाब दिया जो, चकित करने वाला है। उनका कहना है कि जांच के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अफसर जानबूझकर लोकायुक्त को जानकारी नहीं दे रहे हैं। इसी महीने साक्ष्य एवं जानकारी के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और आजीविका मिशन के अफसरों को बुलाया गया था, लेकिन जानकारी देने के लिए कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं हुआ, ना ही किसी ने जानकारी भेजी। ऐसा लगातार तीन बार हो चुका है। कोई भी सामान्य सा यह सवाल पूछ सकता है कि सरकार की मर्जी के खिलाफ ऐसी धृष्टता करने की हिम्मत भला कोई अफसर कैसे कर सकता है? या फिर अफसरों पर जिम्मेदारी डालकर पूरी सरकार ही दोषियों को बचाने में लगी है। अब बात उन अफसरों की जो ये धृष्टता कर रहे हैं। इनमें दो नाम ख़ास हैं। पहला नाम पंचायत विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी का है और दूसरा सचिव जीवी रश्मि का। प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में यह बात किसी से छिपी नहीं है कि इकबाल सिंह बैंस के मुख्य सचिव रहते हुए जिन अफसरों को हमेशा मलाईदार माने जाने वाले विभागों से नवाजा जाता रहा, उनमें यह नाम भी थे। तो क्या इसलिए बैस के खिलाफ लोकायुक्त को जानकारी नहीं दी जा रही है। हो सकता है निष्ठा निभाई जा रही हो, लेकिन पूरी सरकार ही अगर लाचार दिखेगी तो भला जनता का भरोसा कैसे कायम होगा।

राम मंदिर के सामने खुलेआम हो रहा गोश्त का कारोबार

सरेआम मदिरापान पर भी प्रशासन मेहरबान

दोपहर मेट्रो स्पेशल

● रोहन सिरोठिया

भोपाल

राजधानी के पूर्वी मुहाने पर रायसेन और विदिशा की तरफ जाने वाली सड़क पर आनंदनगर में तीन दर्जन दुकानें हटाकर सड़क चौड़ी करने की मुहिम ठंडी होने के बाद राममंदिर के सामने और हनुमान मंदिर के बगल में मटन, चिकन और मछली की खुलेआम बिक्री के धंधे ने पैर पसार लिए हैं।

यही नहीं, मंदिर और गुरूद्वारे के बीच शराब दुकान होने से अतिक्रमण मुक्त कराई जगह मदिरा प्रेमियों के लिए खुले बार के रूप में तब्दील हो चुकी है। प्रशासन को यहां सड़क के चौड़ीकरण की फिक्र नहीं। और न ही आबकारी अमले को सरेआम मदिरापान पर पाबंदी

लगाने की फुर्सत है। स्थित पिपलानी पुलिस चौकी स्टाफ को भी इसकी फिक्र नहीं है कि राम मंदिर के सामने मांस विक्रय क्यों हो रहा है। दोपहर मेट्रो संवाददाता ने बीती रात इस सारे नजारे को अपने कैमरे में कैद किया है।

रायसेन से सागर तथा विदिशा की ओर जाने वाले वाहनों से आनंद नगर में जाम लगना आम बात है। सियासी संरक्षण में हुए इन अतिक्रमणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर बरसों से बाधा पैदा करने वाले इस इलाके को बॉटल नैक बना रखा था। पिछले महीने निगम प्रशासन ने पिपलानी पुलिस चौकी और उसके पास स्थित हनुमान मंदिर से दोनों तरफ की अवैध अतिक्रमण से बनी तीन दर्जन से ज्यादा दुकानों को हटाकर सड़क चौड़ीकरण की अड़चन को दूर किया था।

सड़क निर्माण में देरी के चलते हटाए गए मटन-चिकन के कारोबारियों ने अब खुली जगह पर ही अपनी दुकानें खोल ली हैं । शाम ढलने के साथ ही वहां मटन-मछली, चिकन और अंडों के बाजार सज जाते हैं। थोड़ा आगे बढ़ते ही आनंदनगर शराब दुकान के

सामने अतिक्रमण से मुक्त जमीनों पर जो टीले बचे हैं, वह मदिरा पान के अड्डे में तब्दील हो गए हैं। जबकि शासन की आबकारी नीति के मुताबिक शराब दुकानों के आसपास अहाता कल्चर को खत्म किया जा चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन के दावों की पोल भी खोल दी है। मॉडर्न स्लाटर हाऊस में गौमांस को लेकर हुए बवाल के बाद कहा गया था कि निगम सीमा के भीतर खुले में मांस बिक्री नहीं होगी। लेकिन आस्थाओं को आहत करने के साथ ही निगम के दावों की किरकिरी हो रही है। साथ ही अतिक्रमण से मुक्त जमीन पर सड़क नहीं बनने से यातायात की समस्या और भी बढ़ने लगी है। पुलिस चौकी के सामने सिटी बसें और बैटरी चलित गाड़ियां सड़क को घेरकर खड़ी रहती हैं। लेकिन यातायात पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती वह अमूमन वहां से नदारद ही रहती है।

होली फेस्टिवल का आयोजन

भोपाल। अग्रोहा क्लब ने होली फेस्टिवल का आयोजन किया, जिसमें सदस्यों ने फूल और गुलाल से होली खेली।

संवेदनशील हृदय की गहन अनुभूतियों और अनुभव से उपजी लघुकथाएं -अंतरा करबड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जब एक संवेदनशील हृदय और अनुभवों से पगा व्यक्ति अपने आसपास पसरी विसंगतियों को देखता है तो उसका हृदय शब्दों के माध्यम से जो भी सृजित करता है वह रचना पाठकों के हृदय में गहराई से उतर जाती है ।

यह उद्गार हैं वरिष्ठ लघुकथाकार एवं समीक्षक अंतरा करबड़े के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन बुधवारीय गोष्ठी में लघुकथाकार रामकरन सोनी, बस्ती द्वारा प्रस्तुत लघुकथाओं पर समीक्षात्मक टिप्पणी दे रही थीं। राम करण सोनी ने इस अवसर पर 'क्रिया' स्त्री सशक्तिकरण की नये कथ्य और विषय को लेकर बुनी गई, 'जिंदा' पीढ़ियों के स्मरण खासकर स्त्री समाज को लेकर लिखी गई, समानता का अधिकार यानि कथनी करनी में भिन्नता को दर्शाती, 'हार' आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के संतोष और साहस को आरेखित करती और 'चर्चा'यानि व्यक्ति के गुणों की नहीं उसके व्यक्तिगत जीवन की चर्चा पर केंद्रित लघुकथाओं का प्रभावी वाचन किया। कार्यक्रम के आरम्भ में केंद्र की निदेशक कांता राय ने स्वागत उदबोधन दिया। कार्यक्रम का सफल और सरस संचालन डॉ. ममता माली मुंबई ने किया। इन लघुकथाओं पर घनश्याम मैथिल 'अमृत', अनिता रश्मि, सुमिता सिन्हा, कल्याणी झा, डॉ. दिलीप बच्चानी ने अपनी महत्वपूर्ण समीक्षात्मक टिप्पणीयां प्रस्तुत कीं। आयोजन में देश प्रदेश के अनेक लघुकथा प्रेमी लेखक पाठक उपस्थित थे, कार्यक्रम के अंत में लघुकथाकार रामकरन सोनी ने केंद्र एवं उपस्थित सभी जनों का आभार प्रकट किया।

पांच शासकीय, तीन निजी विवि व 85 कॉलेजों ने बोट के साथ किया एमओयू

अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग आधारित व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त हो और रोजगारपरक कौशल में वृद्धि हो, इस उद्देश्य से अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम को बढ़ावा देने अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन एवं आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा की उपस्थिति में 85 महाविद्यालयों, 5 शासकीय एवं 3 निजी विश्वविद्यालयों ने क्रिस्प नई दिल्ली के सहयोग से बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के साथ एमओयू किया।

महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों और बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के पदाधिकारियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। राज्य स्तरीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का आयोजन सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में भोपाल में हुआ। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि एईडीपी प्रारंभ किया गया था। विभाग का प्रयास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, शिक्षा को रोजगारमूलक बनाया जाए तथा विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ, उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

राजन ने कहा कि वर्तमान में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से एईडीपी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आज की आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग, स्वयं पोर्टल सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों के जरिए निरंतर आगे बढ़ रहा है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। राजन ने कहा कि एईडीपी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप की सुविधा मिलेगी।

होली से पहले खाद्य विभाग लेगा मावा और मिठाइयों के सेंपल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होली के त्यौहार पर प्रदेशवासियों को मिलावटी, नकली और दूषित मिठाईयों सहित अन्य खाद्य पदार्थों से बचाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग प्रदेशभर में अभियान चलाकर नमूने लेगा।

इस संबंध में नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दिनेश श्रीवास्तव ने प्रदेश के सभी जिलाधीशों को पत्र जारी किया है। जिलाधीशों को जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के नियामक अनुपालन विभाग से होली एन्टी एडल्ट्रेशन अभियान प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया है। आदेश के पालन में उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यप्रद एवं मानक स्तर की खाद्य सामग्री उपलब्ध हो, इसके लिए आवश्यक है कि खाद्य सुरक्षा मानक एवं मानक अधिनियम 2006 के पालन को ध्यान में रखते हुए आप अपने अधीनस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित करें कि वे खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम हेतु खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन अभियान चला कर अधिक से अधिक निरीक्षण कर मिलावट की शंका होने पर नमूने लेने व आवश्यक हो तो नियमानुसार संबंधित खाद्य निर्माण एवं विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों पर अधिनियम के अनुसार कार्रवाई करें।

इन खाद्य पदार्थों की जांच पर रहेगा फोकस: जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि अभियान के दौरान विशेष रूप से त्यौहारों में खपत होने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, नमकीन, सेलीब्रेशन पैक आदि खाद्य पदार्थों पर विशेष रूप से निगरानी रखी जाए। कार्रवाई के बाद प्रतिवेदन भी नियंत्रक कार्यालय भेजना होगा।

दुकान-ऑफिस में ताले जड़े तो जमा कराया टैक्स

भोपाल। नगर निगम की टीम ने होशंगाबाद रोड पर कमर्शियल टैक्स नहीं भरने पर 13 दुकानों और ऑफिस पर ताला जड़ दिया। दो साल में कई बार नोटिस मिलने के बाद भी टैक्स जमा नहीं किया जा रहा था, लेकिन संपत्ति कुर्क होते देख 13 में से 7 ने तत्काल पैसा जमा कर दिया। शेष ने पैसा जमा करने मोहलत मांगी है। राजस्व वसूली के लिए लगाए गए शिविरों में लोगों ने निगम के खाते में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा जमा कराए।

शूटिंग के लिए भोपाल में अभिनेता, टूरिज्म बोर्ड के एमडी से मिले

अरबाज बोले- मप्र फिल्मकारों की पहली पसंद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फिल्म एक्टर अरबाज खान इन दिनों अपनी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में भोपाल में हैं। शूटिंग में से समय निकालकर वे मप्र टूरिज्म बोर्ड के ऑफिस पहुंचे, जहां बोर्ड के एमडी डॉ. इलैया राजा टी. से मिले।

अरबाज ने कहा कि एमपी फिल्मकारों की पहली पसंद बना हुआ है। उन्होंने बताया कि उनके निर्माण संस्थान की मध्य प्रदेश में दूसरी फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है। कुछ सीन अंतिम चरण में है। इससे पहले उनके बैनर तले बनी फिल्म 'पटना शुक्ला' की शूटिंग भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर की गई थी। वर्ष 2024 में इस हिंदी न्यायालयीन नाटक फिल्म का निर्माण अरबाज खान प्रोडक्शन्स ने किया था, जबकि इसका प्रसारण डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर हुआ।

फिल्म नीति पर भी चर्चा की: इस दौरान मप्र की फिल्म नीति पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि प्रदेश में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से स्वीकृतियां दी जा रही हैं। साथ ही निर्धारित मानकों के अनुसार आर्थिक प्रोत्साहन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। विविध प्राकृतिक और ऐतिहासिक लोकेशन भी निर्माताओं को आकर्षित कर रही हैं। अरबाज ने कहा कि अनुकूल वातावरण, बेहतर व्यवस्थाएं और सकारात्मक प्रशासनिक सहयोग के कारण मध्य प्रदेश फिल्मकारों की पहली पसंद बनता जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में वे नई फिल्मों की शूटिंग मध्य प्रदेश में करेंगे।

संवेदनशील व्यवहार और नीति सुधार से ही बदलेगा स्वास्थ्य अनुभव

एम्स की रिसर्च- इलाज के दौरान ट्रांसजेंडर होते हैं तय धारणा का शिकार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इलाज के दौरान ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सामाजिक पूर्वाग्रह (धारणा), भेदभाव, संवाद की कमी और लिंग-संवेदनशील सेवाओं के अभाव जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एम्स के हालिया अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। शोध में स्पष्ट किया है कि केवल दवा और उपचार पर्याप्त नहीं, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों का व्यवहार, सांस्कृतिक समझ और सम्मानजनक दृष्टिकोण मरीज के अनुभव को पूरी तरह बदल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक नीतिगत सुधार और विशेष प्रशिक्षण नहीं होगा, तब तक समावेशी स्वास्थ्य सेवा की परिकल्पना अधूरी रहेगी।

यह निष्कर्ष एम्स भोपाल के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की एमएससी नर्सिंग छात्रा के शोध में सामने आया। इस शोध को राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति 2026 में स्नातकोत्तर वर्ग में पहला स्थान मिला। यह रिसर्च ट्रांसजेंडर समुदाय के स्वास्थ्य अधिकारों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक ठोस कदम भी मानी जा रही है। अध्ययन में पाया गया कि अस्पतालों में पंजीयन से लेकर परामर्श और उपचार तक कई स्तरों पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। इन कारणों से कई लोग समय पर इलाज लेने से भी कतराते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्टाफ में

लिंग पहचान को लेकर समझ की कमी रहती है। अलग से सुरक्षित और सम्मानजनक परामर्श व्यवस्था का अभाव होता है। शोध में विशेष रूप से यह रेखांकित किया है कि स्वास्थ्यकर्मियों का संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार मरीज के अनुभव को पूरी तरह सकारात्मक बना सकता है। यदि डॉक्टर, नर्स और अन्य स्टाफ सांस्कृतिक विविधता को समझें और संवाद में सावधानी बरतें, तो विश्वास का वातावरण बनता है।

समावेशी स्वास्थ्य की ओर बढ़ते कदम

एम्स भोपाल लंबे समय से समावेशी और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे शोध भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों को दिशा देंगे। यह अध्ययन इस बात का संकेत है कि आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में तकनीक के साथ मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही जरूरी है। यदि नीति, प्रशिक्षण और व्यवहार तीनों स्तर पर बदलाव हो, तभी ट्रांसजेंडर समुदाय को समान और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकती हैं। यह शोध कार्य डॉ. लिली पोद्दार, डॉ. गीता भारद्वाज और डॉ. नीतू मिश्रा के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के अध्ययन स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाने में मदद करते हैं। एम्स भोपाल ने हाल ही में जेंडर-अफर्मेटिव हेल्थकेयर सेवाओं की शुरुआत कर ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक उपचार वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाया है।

मेट्रो एंकर

आज से बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का 35 हजार शिक्षकों ने शुरू किया मूल्यांकन

माध्यमिक शिक्षा मंडल से मूल्यांकन केंद्रों की होगी निगरानी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10- 12 वीं बोर्ड परीक्षा के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। इसमें 35 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। मूल्यांकन की प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए भोपाल से ही राज्य-स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आज से कक्षा 10 की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच शुरू कर दी जाएगी। मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और डिजिटल ऐप का उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में मूल्याकंन केंद्र बनाए गए हैं। इसमें लगभग 35 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

जानकारी के अनुसार प्रदेश भर में मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। मूल्यांकनकर्ताओं को एक विशेष ऐप का

उपयोग करके अपनी उपस्थिति और दैनिक कार्य रिकॉर्ड दर्ज करना होगा। हर दिन के मूल्यांकन का विवरण इस ऐप के माध्यम से सीधे भोपाल मंडल कार्यालय को भेजा जाएगा। एक परीक्षक को प्रतिदिन 60 उत्तर पुस्तिकाएं जांची करने का लक्ष्य दिया गया है। इस बार मानदेय में भी कोई वृद्धि की गई है। मूल्यांकन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इनकी निगरानी भोपाल स्थित मंडल कार्यालय से की जा रही है। शिक्षकों के लिए मूल्यांकन कक्ष में मोबाइल ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। प्रवेश से पहले जांच कर निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन कराया जा रहा है। इस वर्ष पारिश्रमिक दरों में कोई वृद्धि नहीं की है। कक्षा 10वीं की प्रति कॉपी 15 रुपए तथा कक्षा 12वीं की प्रति कॉपी 16 रुपए दिए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है समयबद्ध और त्रुटिरहित मूल्यांकन सुनिश्चित कर परिणाम तय समय पर घोषित किए जाएंगे। मूल्यांकन का पहला चरण शुरू हो चुका है। परीक्षाएं समाप्त होने के बाद जल्द से जल्द मूल्यांकन पूरा हो, ताकि समय पर परिणाम घोषित किए जा सकें। मूल्यांकन में सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे तैनात किए गए हैं, जो केंद्र प्रमुखों और निरीक्षकों की निगरानी करेंगे।

अतिक्रमण और लेटलतीफी में फंसे सरकारी अस्पताल, मरीजों को बड़े अस्पतालों की ओर करना पड़ रहा रुख

भोपाल में 204 करोड़ की इमारतें बनीं शो पीस, कई बार निकली डेडलाइन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में करीब 204 करोड़ की लागत से स्वास्थ्य प्रोजेक्ट तैयार होने के बाद भी आम लोगों के किसी काम नहीं आ रहा है। राजधानी में कहीं अतिक्रमण हटाना बाकी है, तो कहीं एसटीपी-ईटीपी, फायर टैंक और हैंडओवर जैसी प्रक्रियाएं समय पर पूरी नहीं हो पाईं। दो से तीन बार डेडलाइन निकल चुकी है, लेकिन अस्पताल अब तक शुरू नहीं हुए। इसका सीधा असर शहर के अलग-अलग कोनों में रहने वाले लोगों पर पड़ रहा है। उन्हें अपने क्षेत्र में इलाज नहीं मिल पा रहा और मजबूरन लंबी दूरी तय कर शहर के गिने-चुने बड़े अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

राजधानी में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए पांच बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे। इनमें जेपी अस्पताल का पांच मंजिला नया भवन, सुल्तानिया का 300 बिस्तरीय सिविल अस्पताल, बैरागढ़ का 100 बिस्तरीय मॉड्यूलर मेटरनिटी विंग, बैरसिया

का 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल और रातीबड़ का 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स पर करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं, इमारतें लगभग खड़ी हो चुकी हैं, लेकिन छोटी-छोटी अड़चनें बड़ी देरी की वजह बन गई हैं।

सुल्तानिया में 300 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का निर्माण पीआईयू/पीडब्ल्यूडी द्वारा कराया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत 120 करोड़ रुपए है। अभी भवन का काम फिनिशिंग लेवल पर है। विभाग ने अब इसकी नई संभावित पूर्णता अगस्त 2026 बताई है। अधिकारियों का कहना है कि स्ट्रक्चर खड़ा हो चुका है, अब इंटीरियर, इलेक्ट्रिकल काम, एचवीएसी सिस्टम, उपकरण स्थापना और टेस्टिंग का काम चल रहा है।

बैरागढ़ का 100 बिस्तरीय मेटरनिटी विंग तैयार, पर शुरू नहीं- बैरागढ़ सिविल अस्पताल में 22 करोड़ रुपए की लागत से 100 बिस्तरीय मॉड्यूलर मेटरनिटी विंग बनाया है। भवन लगभग तैयार है, लेकिन औपचारिक हैंडओवर, सेवाओं की टेस्टिंग और स्टाफ तैनाती के कारण उद्घाटन टलता रहा। अब विभाग का कहना है कि फरवरी 2026 तक इसे मरीजों के लिए शुरू करने की तैयारी है। ऐसे में इमारत तैयार होने के बाद भी महीनों से महिलाएं पुराने और सीमित संसाधनों वाले वार्ड में ही इलाज करा रही हैं।

अस्पताल के इंतजार में बैरसिया ग्रामीण क्षेत्र

ग्रामीण क्षेत्र के लिए अहम 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बैरसिया में बनाया जा रहा है। इसकी लागत 20 करोड़ रुपए है। सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। अब फिनिशिंग, उपकरण फिटमेंट और यूटिलिटी कनेक्शन का काम बाकी है। नई संभावित तिथि मई 2026 तय की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल शुरू होने से उन्हें शहर आने की मजबूरी खत्म होगी, लेकिन हर बार नई तारीख मिलने से उम्मीद टूट रही है। रातीबड़ में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 10 करोड़ रुपए की लागत से बनाया है। भवन लगभग तैयार है, लेकिन आवासीय भवन और फायर टैंक की जमीन पर अतिक्रमण के कारण मामला अटका हुआ है। अतिक्रमण हटाने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा है, लेकिन एसडीएम स्तर पर अब तक कार्रवाई नहीं हो सकी। जब तक जमीन खाली नहीं होगी, फायर सेफ्टी कम्प्लायंस पूरा नहीं हो पाएगा और अस्पताल शुरू नहीं हो सकेगा।

जेपी अस्पताल में लागत बढ़ी

भोपाल के जेपी अस्पताल में 26 करोड़ रुपए की लागत से पांच मंजिला नया भवन तैयार हो रहा है। अब इसकी लागत 6 करोड़ रुपए और बढ़ा दी गई है। यानी, यह नया भवन कुल 32 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होगा। बढ़ी हुई राशि से एसटीपी, ईटीपी और पुराने भवन से जोड़ने के लिए ब्रिज बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की हैंडओवर तिथि पांचवीं बार बढ़ाकर मई 2026 कर दी गई है। यहां एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) और ईटीपी (इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) जैसे जरूरी कामों में देरी भी बड़ी वजह मानी जा रही है। हेल्थ एक्सपर्ट की माने तो इन सभी प्रोजेक्ट्स के शुरू न होने का असर सीधे आम लोगों पर पड़ रहा है। बैरसिया, रातीबड़ और बैरागढ़ जैसे इलाकों के लोगों को इलाज के लिए हमीदिया, जेपी या अन्य बड़े अस्पतालों में जाना पड़ता है। इससे बड़े अस्पतालों में भीड़ बढ़ती है, मरीजों को लंबी लाइन में इंतजार करना पड़ता है और गंभीर मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता।

प्रदेश सरकार ने मानी किसानों की मांगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का किसानों ने माना आभार

उज्जैन-इंदौर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की ऊंचाई होगी कम, मुआवजा बढ़ाने का भी आश्वासन

अब एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर सड़क बनेगी- सीएम

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों की मांगे मान ली है। सरकार ने उज्जैन-इंदौर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर रोड की ऊंचाई कम करने का फैसला हुआ है। भोपाल में सीएम मोहन यादव और किसानों के बीच बातचीत के बाद सरकार ने निर्णय लिया है। इसके साथ ही किसानों को मिलने वाले मुआवजे की राशि भी बढ़ाने का भी आश्वासन मिल गया है। फैसले के बाद किसानों ने भी अपना विरोध वापस ले लिया है। तीन महीने पहले सरकार ने उज्जैन सिंहस्थ इलाके में जमीन अधिग्रहण का अपना फैसला भी वापस ले लिया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन सिटी भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। किसानों के सुझाव के अनुसार, उनके हित में इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन प्रोजेक्ट जमीनी स्तर पर बनाया जाएगा। सरकार और प्रशासन उन किसानों को उचित मुआवजा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनकी जमीन प्रभावित होगी। इंदौर और उज्जैन के किसान प्रतिनिधियों ने किसानों के हित में इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन रोड बनाने के उनके फैसले के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन रास्ता जानापाव आने-जाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन हब का भी काम करता है। हाल के सालों में सड़क के संकरे होने से जो हादसे हुए हैं। अब उन पर रोक लगेगी। किसानों से बातचीत के बाद इस ग्रीनफील्ड फोर-लेन रोड प्रोजेक्ट पर काम तेज किया जा रहा है।

एक हजार किसान करने वाले थे उज्जैन कूच

उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड रोड का विरोध कर रहे करीब 1,000 किसान बुधवार को राशन और बिस्तर लेकर उज्जैन पहुंचने वाले थे। वे 150 से ज्यादा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ कलेक्ट्रेट घेरने और अनिश्चितकालीन धरना देने की तैयारी कर रहे थे। इस बीच मुख्यमंत्री ने किसानों को मिलने और बातचीत करने के लिए बुलाया। हाल ही में यह दूसरी बार है जब सरकार किसानों के आगे झुकी है। इससे पहले, उज्जैन लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर सरकार को अपना फैसला बदलना पड़ा था। किसान नेता राजेश सोलंकी ने कहा कि किसानों ने अनिश्चितकालीन धरने की तैयारी की थी, लेकिन प्रशासन के बातचीत शुरू करने के बाद विरोध कुछ समय के लिए रोक दिया गया।

मप्र में होली से पहले बसों की हड़ताल

नई परिवहन नीति से मालिक-ऑपरेटर्स नाराज; घर जाना हो सकता है 5-7 गुना महंगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के 55 जिलों में 2 मार्च यानी होली से ठीक 2 दिन पहले बसों की हड़ताल होगी। इसमें प्रदेश की 20 हजार बसें शामिल होंगी। मध्य प्रदेश बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के मुताबिक, प्रदेश में 12 हजार 780 परमिट वाली जबकि 7 हजार से अधिक कॉन्ट्रैक्ट वाली बसें हैं। 2 मार्च को सुबह 6 बजे से सभी बसों के पहिए थम जाएंगे। सबसे ज्यादा असर आम यात्रियों पर पड़ेगा, जो होली में अपने घर जाएंगे। बस संचालक सरकार की नई परिवहन नीति का विरोध कर रहे हैं। इस नीति के तहत सरकार 7 कंपनियों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत सभी बसों के टेंडर सौंप देगी। परेशानी की बात यह है कि अगर बसों की हड़ताल हुई तो किराये में 5 से 7 गुना वृद्धि होने का अनुमान है।

मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के महामंत्री जयकुमार जैन ने बताया कि सरकार नई नीति के तहत लोकल रूट के लिए बसों के परमिट देगी। किराया सात नई कंपनियां तय करेंगी जबकि ड्राइवर, स्टाफ और ईंधन की जिम्मेदारी बस ऑपरेटरों की ही रहेगी। किराए की राशि कंपनियां तय करेंगी और हमसे कमीशन लिया जाएगा। ये कंपनियां किराए का 10 प्रतिशत तक वसूलेंगी। उन्होंने बताया- फिलहाल प्रति किलोमीटर किराया 1.25 रुपए है। नई नीति के बाद किराया बढ़ाकर 1.75 रुपए करने का प्रस्ताव है। हमने सरकार को ज्ञापन सौंप दिया है। यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो प्रदर्शन किया जाएगा। हमें लोगों को परेशान करने का कोई शौक नहीं है, लेकिन हम सरकार की नीति के खिलाफ हैं।

होली के मौके पर घर जाना 5 से 7 गुना महंगा

अभी बस से भोपाल से होशंगाबाद जाने का किराया 100 रुपए प्रति व्यक्ति है। 2 मार्च को हड़ताल प्रस्तावित है, जिससे बसों का संचालन प्रभावित हो सकता है। इसी दरमियान होली के कारण ट्रेनों में भी भारी भीड़ रहने की संभावना है। ऐसी स्थिति में यात्रियों के पास ट्रैवल्स की गाड़ियां और कैब ही विकल्प के रूप में बचेंगी। भीड़ और मौके को देखते हुए इस रूट पर किराया 1500 से 2000 रुपए तक वसूला जा सकता है। एक कैब में चार लोग बैठ सकते हैं, ऐसे में प्रति व्यक्ति किराया 500 से 600 रुपये तक पड़ सकता है। यह सामान्य किराये से 5 से 7 गुना अधिक है। इसी तरह अन्य रूटों पर भी किराये में वृद्धि की संभावना है।

भाजपा में जितना बड़ा पद उतनी राशि

विधायकों-महापौर को 5-5 लाख का देना होगा सहयोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा के अंदर अब कद के हिसाब से चंदा लिया जा रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर प्रारंभ हुआ आजीवन सदस्य अभियान 28 फरवरी तक चलना है। चेक के जरिए चंदा लिया जा रहा है। पार्टी में जिसका जितना बड़ा कद है उससे चंदे की उम्मीद भी उतनी अधिक है।

संगठन से लेकर सत्ता में बैठे नेताओं तक से आजीवन सदस्यता निधि संग्रह की जा रही है। पार्टी ने शहर में डेढ़ करोड़ का लक्ष्य तय किया है ऐसे में 50 हजार से लेकर पांच लाख रुपये सामान्य रूप से लिया जा रहा है। इसके ऊपर जो जितना देना चाहे। मंत्री पद वालों से ली जाने वाली राशि उससे कई गुना ज्यादा है। इसके अलावा पदाधिकारियों से भी सदस्यता निधि की राशि के लिए आग्रह किया जा रहा है। बड़े नेताओं के पास वरिष्ठ कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि (11 फरवरी) से भाजपाई चंदा जुटाने में लगे हैं। ये आजीवन सदस्यता निधि है। सामान्यतः एक हजार रुपये से स्वेच्छा और समर्थ के अनुसार जनप्रतिनिधि-कार्यकर्ताओं से सहयोग लिया जाता है। पिछले साल की बात करें तो पार्टी को जबलपुर शहर से करीब एक करोड़ 30 लाख रुपये का संग्रह मिला था।

विधायकों से पांच-पांच लाख की मांग- इस बार भी लक्ष्य करीब डेढ़ करोड़ तक पहुंचने का है। जनप्रतिनिधि और पदाधिकारियों पर विशेष सहयोग लिया जा रहा है। मंत्री से शहर में सबसे ज्यादा सहयोग की उम्मीद की जा रही है। वहीं विधायकों से पांच-पांच लाख रुपये की मांग हुई है। अधिकांश इस राशि को देने के लिए राजी भी हो गए हैं। महापौर को भी पांच लाख का सहयोग देना है। इसके अलावा नगर अध्यक्ष और मुख्य पदाधिकारियों से भी पांच लाख रुपये सहयोग लिया जाएगा।

पार्षदों से भी सहयोग

नगर निगम में एमआईसी और पार्षद से भी सहयोग लिया जाएगा। सभी को 51-51 हजार रुपये सहयोग लिया जाना है इसके अलावा भाजपा युवा मोर्चा के लिए दावेदारी करने वाले पदाधिकारियों को भी सहयोग में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने की सलाह दी गई है। अपने वरिष्ठ नेताओं के इशारे पर दावेदारों ने 51 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक का सहयोग दिया है। कई ने तो इस सहयोग को इंटरनेट मीडिया में प्रसारित किया है ताकि दूसरे भी प्रेरित हों।

विदेशी नागरिकों के आधार कार्ड पर सख्ती, वीजा खत्म होते ही होगा निष्क्रिय

10 साल तक मान्य रहेगा ओसीसी और नेपाल-भूटान के नागरिकों का आधार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश में वीजा लेकर आने वाले विदेशी नागरिकों के लिए आधार कार्ड की वैधता को लेकर केंद्र सरकार ने सख्त नियम तय कर दिए हैं। अब स्पष्ट कर दिया गया है कि विदेशी नागरिकों को जारी आधार कार्ड उनकी कानूनी स्थिति और वीजा की अवधि से सीधे जुड़ा रहेगा। वीजा समाप्त होते ही आधार कार्ड स्वतः निष्क्रिय (डिएक्टिवेट) हो जाएगा। ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्डधारक, जिनका भारतीय मूल से संबंध है और जिन्हें भारत में लंबे समय तक रहने की विशेष अनुमति होती है, उनके लिए आधार कार्ड 10 वर्षों तक मान्य रहेगा। इसके बाद उन्हें नवीनीकरण या अपडेट की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों का आधार कार्ड उनके वीजा की अवधि तक ही वैध रहेगा। इसी तरह टूरिस्ट, बिजनेस, स्टूडेंट या अन्य श्रेणी के वीजा पर आए विदेशी नागरिकों का आधार भी केवल वीजा अवधि तक मान्य होगा। वीजा की अवधि समाप्त होते ही आधार कार्ड स्वतः निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

फर्जी दस्तावेजों पर रोक लगाने की पहल

सरकार का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामले सामने आए थे, जिनमें वीजा समाप्त होने के बाद भी कुछ विदेशी नागरिक फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार बनवाकर देश में रह रहे थे। नई व्यवस्था के तहत आधार की वैधता संबंधित व्यक्ति की कानूनी स्थिति से जुड़ी रहेगी। इससे सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं और अन्य सुविधाओं में किसी प्रकार के दुरुपयोग पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

मप्र में अब तक 'चिन्नौर' धान और 'सुंदरजा' आम को ही जीआई टैग

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब तक सिर्फ दो खाद्य उत्पादों को ही जीआइ टैग प्राप्त है। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के माध्यम से बालाघाट की चिन्नौर धान और रीवा के सुंदरजा आम को ही जीआइ टैग मिला है। हालांकि सरकार जीआइ सेल परियोजना में बैगामी अरहर, नागदमन कुटकी, सिताही कुटकी, महाकौशल क्षत्रिय धान सहित लुचाई धान, ठर्री भरी धान और साठिया धान को भी जीआइ टैग दिलाने के प्रयास कर रही है। ये जानकारी विधानसभा में राघोगढ़ विधानसभा से कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह के सवाल के लिखित जवाब में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने दी है। कृषि मंत्री ने ये भी बताया कि इनमें से बैगामी अरहर, नागदमन कुटकी, सिताही कुटकी, महाकौशल क्षत्रिय धान को जीआइ रजिस्ट्री कार्यालय चैन्नई की अधिकारिक वेबसाइट पर विज्ञापित भी किया जा चुका है।

क्या होता है जीआइ टैग

किसी भी रीजन का जो क्षेत्रीय उत्पाद होता है उससे उस क्षेत्र की पहचान होती है। उस उत्पाद की ख्याति जब देश-दुनिया में फैलती है तो उसे प्रमाणित करने के लिए एक प्रक्रिया होती है जिसे जीआइ टैग यानी जीओ ग्राफिकल इंडीकेटर कहते हैं। जिसे हिंदी में भौगोलिक संकेतक नाम से जाना जाता है। प्रदेश में उत्पादित बासमती धान के लिए चिन्नौर के लिए वर्ष 2008 से प्रयास किए जा रहे थे।

मेट्रो एंकर

प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दिखा फॉरेस्ट ऑउलेट

लुप्त प्राय प्रजाति का दिखना जैव विविधता संरक्षण के लिए शुभ संकेत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पक्षी विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, स्थानिक और लुप्त प्राय फॉरेस्ट ऑउलेट(एथिन ब्लेविटी) को पहली बार कूनो राष्ट्रीय उद्यान में देखा गया है, जो इस प्रजाति के ज्ञात वितरण क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार का संकेत है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में फॉरेस्ट ऑउलेट की खोज भारत में जैव विविधता संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है। यह खोज इस तथ्य को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण है कि यह पक्षी विश्व के सबसे दुर्लभ शिकारी पक्षियों में से एक है और चीता परियोजना से जुड़े पर्यावास प्रबंधन के साथ इसके संभावित पारिस्थितिक संबंध हैं। फॉरेस्ट आउलेट मध्य भारत का एक स्थानिक पक्षी है, जिसे 1872 में पहली बार खोजा गया था, लेकिन 1884 के बाद इसे विलुप्त मान लिया गया था। लगभग 113 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, 1997 में इसे महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में फिर से खोजा गया, जिसने पक्षी विज्ञान की दुनिया में सनसनी फैला दी थी। वर्तमान में यह मध्य भारत के खंडित वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसमें मध्यप्रदेश (खकनार, पीपलोद), महाराष्ट्र (तोरणमाल, मेलघाट) और गुजरात (डांग, पूर्णा वन्य जीव अभयारण्य) के हिस्से शामिल हैं।

संपत्तियों का विशाल साम्राज्य और कानूनी लड़ाई

मध्यप्रदेश में फॉरेस्ट ऑउलेट पहले केवल पूर्वी खंडवा, बुरहानपुर और बैतूल जिलों में ही पाया जाता था। इस दुर्लभ पक्षी को सबसे पहले कूनो में स्थानीय पर्यटन क्षेत्र से जुड़े श्री लाभ यादव ने पारोंद बीट में क्षेत्र भ्रमण के दौरान देखा था, जिससे प्रजाति के अत्यधिक सीमित वितरण और संरक्षण स्थिति के कारण वन विभाग का ध्यान तुरंत आकर्षित हुआ। प्रमुख पहचान लक्षणों के आधार पर,वाइल्ड लाइफ रिसर्च एण्ड कंजर्वेशन सोसायटी, पुणे के श्री विवेक पटेल ने मौके पर ही इसकी पुष्टि की, जिससे यह कूनो राष्ट्रीय उद्यान से प्रजाति का पहला प्रामाणिक रिकॉर्ड बन गया। अधिकांश उल्लुओं के व्यवहार के विपरीत, फॉरेस्ट ऑउलेट मुख्य रूप से दिन में सक्रिय रहने वाला पक्षी है। यह सुबह 6:00 से 10:00 बजे के बीच सबसे अधिक सक्रिय रहता है और कड़ी धूप में भी ऊंचे पेड़ों की टहनियों पर बैठा देखा जा सकता है।

सर्वेक्षण की जरूरत

मध्यप्रदेश में इसके वितरण को समझने के लिए और सर्वेक्षण किए जाने की आवश्यकता है। फॉरेस्ट ऑउलेट, जिसे कभी विलुप्त माना जाता था और 1997 में पुनः खोजा गया था, वर्तमान में मध्य भारत के सीमित क्षेत्रों में पाया जाता है और पर्यावास के क्षरण और विखंडन से लगातार खतरे का सामना कर रहा है। यह नया रिकॉर्ड कूनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों के पारिस्थितिक महत्व को उजागर करता है। फॉरेस्ट आउलेट का दिखाई देना संकेत दे रहा है कि चीता के लिये किये जा रहे संरक्षण प्रयासों से पारिस्थितिकीय तंत्र में सुधार होने से अन्य लुप्तप्राय प्रजातियों की भी वापसी हो रही है।

अवसरों का नया दरवाजा

भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से अटकी व्यापारिक संधि अब एक बार फिर चर्चा में है। दोनों देशों के रिश्तों में आई नई गर्मजोशी ने इस समझौते को हकीकत में बदलने की उम्मीद जगा दी है। अगर यह डील फाइनल होती है, तो इससे सिर्फ व्यापार ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि दोनों देशों के संबंधों में भी नई मजबूती आएगी। करीब 15 साल पहले भारत और कनाडा के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू हुई थी, लेकिन कई बार कूटनीतिक अड़चनों के कारण यह आगे नहीं बढ़ सकी। पिछले साल कनाडा में नई सरकार बनने के बाद हालात तेजी से बदले हैं। नए प्रधानमंत्री के आने से दोनों देशों के बीच संवाद बेहतर हुआ है और शीर्ष स्तर पर संपर्क बढ़ा है। यही वजह है कि कनाडाई प्रधानमंत्री की भारत यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरे के दौरान ट्रेड डील पर ठोस बातचीत होने की पूरी संभावना है। इस प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों देश वर्ष 2030 तक आपसी कारोबार को 70 अरब डॉलर सालाना तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। यह एक बड़ा और महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। इससे साफ है कि भारत और कनाडा दोनों एकदूसरे के साथ आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई देना चाहते हैं। इस समझौते में सिर्फ सामानों का लेन-देन ही नहीं, बल्कि सेवाएं, निवेश, कृषि और डिजिटल कारोबार जैसे आधुनिक क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा। इससे रोजगार के नए मौके पैदा होंगे और तकनीक के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। भारत के लिए यह समझौता इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे भारतीय कंपनियों को कनाडा के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। वहीं कनाडा की कंपनियां भारत जैसे विशाल और तेजी से बढ़ते बाजार में अपने कारोबार का विस्तार कर सकेंगी। शिक्षा, खनिज, कृषि उत्पाद और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने की पूरी संभावना है। अगर यह ट्रेड डील फाइनल होती है, तो कनाडा उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जिनके साथ भारत ने बीते एक साल में बड़े व्यापारिक समझौते किए हैं। इससे पहले अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ भारत ने इसी तरह की संधियां की हैं। यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक व्यापार में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रहा है और अपनीअर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नए साझेदार तलाश रहा है। कुल मिलाकर, भारत-कनाडा ट्रेड डील दोनों देशों के लिए एक बड़ा अवसर है। यह सिर्फ आंकड़ों और व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे आपसी विश्वास बढ़ेगा और संबंधों को नई दिशा मिलेगी।

विज्ञान और अध्यात्म के बीच सार्थक संवाद से अधिक व्यापक एवं गहरा बनता है ज्ञान

डॉ. शिवानी कटारा
स्तंभकार

डॉ. सी.वी. रमन ने प्रकाश के प्रकीर्णन (scattering of light) पर शोध कर 1930 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। उनका कार्य यह दर्शाता है कि वैज्ञानिक अनुसंधान भारतीय परंपरा में निरंतर जीवित और सक्रिय रहा है। रमन का कथन था- 'प्रकृति स्वयं हमें प्रेरित करती है।' यह वाक्य वैज्ञानिक अवलोकन और आध्यात्मिक संवेदना के सुंदर मेल को प्रकट करता है।

पश्चिमी आधुनिक सोच में विज्ञान और अध्यात्म को अक्सर दो अलग रास्तों की तरह देखा जाता है- एक experiment (प्रयोग) और evidence (प्रमाण) पर आधारित, दूसरा experience (अनुभव) और faith (आस्था) पर। लेकिन भारतीय ज्ञान परंपरा में यह दूरी इतनी स्पष्ट नहीं रही। यहाँ ज्ञान (knowledge) को एक समग्र यात्रा माना गया, जहाँ प्रकृति (nature) और चेतना (consciousness) दोनों की खोज समान रूप से महत्वपूर्ण थी। स्वामी विवेकानंद ने 1893 (Chicago) में कहा था कि विज्ञान और धर्म का लक्ष्य एक ही है- सत्य की खोज। विज्ञान पूछता है- यह जगत कैसे काम करता है? अध्यात्म पूछता है- मैं कौन हूँ और जीवन का अंतिम सत्य क्या है? दोनों के प्रश्न अलग दिखते हैं पर लक्ष्य एक है- सत्य। भारत की scientific consciousness (विज्ञान चेतना) केवल तकनीकी प्रगति नहीं बल्कि तर्क (logic), जिज्ञासा (curiosity) और जिम्मेदारी से सोचने की आदत है। इस दृष्टि से देखें तो भारतीय अध्यात्म ने वैज्ञानिक सोच को केवल प्रेरणा ही नहीं दी बल्कि उसे एक गहरा दार्शनिक आधार (philosophical foundation) भी प्रदान किया।

वैदिक युग: प्रश्न से शुरू हुई खोज: भारतीय अध्यात्म का प्रारंभिक आधार ऋग्वेद है। इसमें नासदीय सूक्त ' नासदासीन्नो सदासात्तदानीं ' सृष्टि की उत्पत्ति पर प्रश्न उठाते हैं- 'तब क्या था? किसने सृष्टि की?' यहाँ कोई अंतिम उत्तर थोपने की जल्दी नहीं है बल्कि प्रश्न करने की स्वतंत्रता है। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण (scientific temper) की पहली सीढ़ी है- आश्चर्य और जिज्ञासा। उपनिषदों में 'नेति- नेति' (यह नहीं, वह नहीं) की पद्धति भी एक तरह की विश्लेषणात्मक विधि (analytical method) है- हर संभावना को परख कर सत्य तक पहुँचना। यह उसी प्रकार है जैसे विज्ञान में परिकल्पना (hypothesis) को जांचकर अंतिम निष्कर्ष निकाला जाता है।

इस प्रकार भारतीय अध्यात्म ने विज्ञान को विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी माना- बाहरी खोज (outer exploration) और आंतरिक अनुभूति (inner realization) की संयुक्त यात्रा के रूप में। यहाँ प्रकृति, ग्रहों या शरीर का अध्ययन आध्यात्म से अलग नहीं समझा गया। भारतीय दृष्टि के अनुसार केवल बाहरी ज्ञान से जीवन का पूर्ण अर्थ नहीं मिलता और केवल आंतरिक साधना से संसार की कार्यप्रणाली नहीं समझी जा सकती; दोनों का संतुलन आवश्यक है।

प्राचीन विज्ञान: अध्यात्म की भूमि पर विकसित: प्राचीन भारत में गणित, खगोलशास्त्र (astronomy) और आयुर्वेद का विकास केवल तकनीकी आवश्यकता से नहीं बल्कि एक गहरे आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। भारतीय गणितज्ञों ने decimal system (दशमलव पद्धति), zero (शून्य) और infinity (अनंत) जैसी क्रांतिकारी अवधारणाएँ दीं। ये खोजें केवल संख्याओं का विस्तार नहीं थीं बल्कि ब्रह्मांडीय व्यवस्था (cosmic order- ऋत) को समझने का प्रयास भी थीं- एक ऐसा विश्वास कि यह सृष्टि व्यवस्थित और अर्थपूर्ण है। खगोल शास्त्र में ग्रह-नक्षत्रों की गति को केवल गणना का विषय नहीं माना गया बल्कि एक नियमबद्ध ब्रह्मांड (ordered universe) की अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया। इसी प्रकार आयुर्वेद को 'science of life' कहा गया। आयुर्वेद समग्र दृष्टि (holistic approach) अपनाता है-जहाँ शरीर, मन और आत्मा एक ही सूत्र में जुड़े माने जाते हैं। स्वास्थ्य को तीन दोष (वात, पित्त, कफ) के संतुलन के रूप में समझा गया। यह संतुलन हमें याद दिलाता है कि हम अलग-थलग अस्तित्व नहीं हैं बल्कि प्रकृति का ही हिस्सा हैं। हमारे भीतर का सूक्ष्म जगत (microcosm) बाहर के विराट जगत (macrocosm) से जुड़ा है। जब प्रकृति में लय होती है, तब जीवन में भी लय आती है।

अध्यात्म ने विज्ञान को कैसे समृद्ध किया?: भारतीय अध्यात्म ने विज्ञान को तीन स्तरों पर दिशा दी- पहला, नैतिक दिशा (ethical direction), ताकि ज्ञान मानव कल्याण के लिए उपयोग हो। दूसरा, जिज्ञासा-प्रेरित खोज (curiosity-driven inquiry), जहाँ 'मैं कौन हूँ?' और 'यह जगत क्या है?' जैसे प्रश्न खोज की शुरुआत बने। तीसरा, समग्र दृष्टि (holistic vision), जिसमें मनुष्य, प्रकृति और ब्रह्मांड को परस्पर जुड़ी हुई व्यवस्था (interconnected reality) माना गया।

चेतना का प्रश्न : आज भी खुला संवाद : आज का आधुनिक विज्ञान ब्रह्मांड और मस्तिष्क का बहुत बारीक नक्शा बना सकता है। हम जान सकते हैं कि कौन-सा हिस्सा क्या काम करता है। लेकिन एक सवाल अब भी पूरी तरह सुलझा नहीं है- हम जो 'अनुभव' करते हैं, जैसे खुशी, दुख, प्रेम या शांति, वह आखिर कैसे जन्म लेता है? यह व्यक्तिगत अनुभव (subjective experience) अभी भी विज्ञान के लिए रहस्य है। ऋषियों ने बहुत पहले कहा था कि भौतिक जगत को समझ लेना ही अंतिम ज्ञान नहीं है। उसके परे भी एक आयाम है- चेतना, जो केवल पदार्थ से परिभाषित नहीं होती क्योंकि वह हमारे अनुभव, सोच और आत्मबोध से जुड़ी है। आज ध्यान पर हो रहे वैज्ञानिक शोध दिखा रहे हैं कि यह तनाव कम कर सकता है और मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इस तरह प्राचीन योग परंपरा और आधुनिक neuroscience के बीच एक रचनात्मक विमर्श विकसित हो रहा है--जहाँ बाहरी अध्ययन और आंतरिक अनुभव एक-दूसरे से सीख रहे हैं। पूरे विमर्श से स्पष्ट होता कि भारतीय ज्ञान परंपरा में अध्यात्म और विज्ञान का संबंध विरोध का नहीं बल्कि परस्पर सहयोग (complementarity) का रहा है। प्राचीन वैदिक चिंतन से लेकर आधुनिक प्रयोगशालाओं तक, दोनों ने अलग-अलग तरीकों से एक ही लक्ष्य-सत्य की खोज की है। यह कहना उचित नहीं कि आधुनिक विज्ञान ने प्राचीन आध्यात्मिक सिद्धांतों को पूरी तरह प्रमाणित कर दिया है। किंतु यह अवश्य कहा जा सकता है कि जब विज्ञान और अध्यात्म के बीच सार्थक संवाद स्थापित होता है तो ज्ञान अधिक व्यापक और गहरा बनता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पढ़ाई एवं नौकरी के लिए बेटे - बेटियों को विदेश भेजने की अंधी होड़ और बदलती मानसिकता

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना- यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है। धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है? क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं?

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकल कर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है।

विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है।

आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं- खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है। समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं- भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी।

समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं- विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सब यहीं से शुरू हुआ है। एक और चिंता का विषय प्रतिभा का देश से बाहर जाना भी है। कई वर्षों तक 'ब्रेन ड्रेन' की चर्चा होती रही है। हालांकि अब स्थिति बदल रही है और कई लोग विदेश से अनुभव लेकर वापस भी लौट रहे हैं। फिर भी यह जरूरी है कि देश का युवा अपने देश की संभावनाओं पर विश्वास बनाए रखे। अगर योग्य लोग ही देश से दूर चले जाएंगे तो विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है।

माता-पिता, शिक्षक और समाज- तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।विदेश जाना विकल्प हो सकता है, लेकिन लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य होना चाहिए- योग्यता, आत्मनिर्भरता और सार्थक जीवन। जब यह सोच समाज में मजबूत होगी, तब शायद विदेश भेजने की अंधी दौड़ अपने आप धीमी पड़ जाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

न्यूट्रिएंट्स से भरपूर है काला टमाटर, हार्ट और आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद

काला टमाटर सेहतमंद गुणों से भरपूर सब्जी है। इसके सेवन से हार्ट अटैक का रिस्क कम होता है। साथ ही आंखों के रेटिना के लिए भी फायदेमंद होता है, जिससे आंखों की रोशनी कम होने का रिस्क नहीं होता। वैसे देश भर के बाजारों में आमतौर पर लाल टमाटर बिकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं काला टमाटर भी होता है और ये लाल टमाटर की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होते हैं। भारत के कई हिस्सों में काले टमाटर की खेती की जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी खेती सीमित इलाकों में हो रही है और बाजार में आसानी से काले

टमाटर उपलब्ध भी नहीं हैं, लेकिन अगर आपके आसपास यह मिलते हैं, तो उन्हें अपने आहार में जरूर शामिल करना चाहिए। ब्रिटेन में काले टमाटर की उपज होती है, लेकिन अब हमारे देश में किसान उसके फायदों को देखते हुए खेती कर रहे हैं। आमतौर पर लाल टमाटर का स्वाद खट्टा होता, लेकिन काले टमाटर का स्वाद थोड़ा नमकीन और मीठा होता है। उसका कारण है एन्थोसाइनिन और एंटीऑक्सीडेंट की ज्यादा मात्रा और यही कारण है कि इसके सेवन के लाभ भी बहुत ज्यादा हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल में कारगर: काले टमाटर में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। उनके सेवन से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जा सकता है, क्योंकि रक्त वाहिकाओं पर पड़ने वाले दबाव को कम करते हैं। इसके साथ ही यह रक्त में शुगर की मात्रा को भी संतुलित रखते हैं। काले टमाटर में ऐसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो पैनक्रिया को सही तरीके से काम करने में मदद करते हैं। यही कारण है कि रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती हो तो पैनक्रिया से बनने वाले हॉर्मोन शरीर को संतुलित करने का काम करते हैं।

हार्ट अटैक का खतरा भी कम: काला टमाटर दिल की सेहत को स्वस्थ रखता है। इसमें एंथोसाइनिन होता है, जो दिल पर पड़ रहे तनाव को कम करता है और हार्ट अटैक का खतरा भी कम होता है, इसलिए दिल की सेहत को बरकरार रखने के लिए इसका सेवन दवा की तरह काम करेगा।

इसके साथ ही इसमें विटामिन ए और सी होता है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने और रेटिना को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह वजन को कम करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी मददगार है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

सुविचार

खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।
– स्वामी विवेकानंद

निशाना

छातियों पर मूंग दलती ग़ज़ल

बसंत कुमार शर्मा

स्वप्न में सजती सँवरती प्यार में पलती ग़ज़ल।
थामकर अब हाथ मेरा साथ में चलती ग़ज़ल।
जब अंधेरों में भटक जाये कहीं पर आदमी,
रौशनी इंसान को देने स्वयँ जलती ग़ज़ल।
वक़्त बदला मखमली अल्फ़ाज़ फौलादी हुए,
दानवों की छातियों पर मूँग अब दलती ग़ज़ल।
गाँव की पगडंडियों से जब गुजरती है कभी,
सच कहूँ तो इंद्रधनुषी रंग में ढलती ग़ज़ल।
धुंध कोहरा छँट गया छाने लगा मन में 'बसंत',
दिख रही है आज मुझको फूलती फलती ग़ज़ल।

गेजेट्स अपडेट

सैमसंग ने महंगे किए A-F सीरीज के स्मार्टफोन्स वन प्लस 15R के दाम बढ़ाने की भी तैयारी

स्मार्टफोन ब्रैंड सैमसंग ने अपनी A और F सीरीज की डिवाइसेज को महंगा कर दिया है। टिप्सटर अभिषेक यादव ने यह जानकारी शेयर की है। बताया है कि आने वाले दिनों में OnePlus 15R के दाम भी करीब 4 हजार रुपये तक बढ़ाए जा सकते हैं। हालांकि वनप्लस की तरफ से आधिकारिक जानकारी इस बारे में नहीं आई है। बताया जा रहा है कि Samsung Galaxy A56, A36 और Galaxy F17 5G के मॉडलों की कीमत बढ़ाई गई है। बढ़े हुए दाम 25 फरवरी से लागू हो गए हैं।

टिप्सटर पर भरोसा किया जाए तो Galaxy A56 (8/256) की कीमत अब 44,999 रुपये हो गई है। इसमें 1 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई है। Galaxy A56 (12/256) के दाम अब 48,999 रुपये हो गए हैं। इसमें 2 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई है। Galaxy A36 (8/256) मॉडल की कीमत 36,499 रुपये हो गई है जो पहले से 1 हजार रुपये अधिक है। Galaxy A36 (12/256) के दाम अब 40,499 रुपये हो गए हैं जो 2 हजार रुपये पहले से ज्यादा हैं।

वहीं, Galaxy F17 5G (4/128) मॉडल के दाम अब 16,499 रुपये हैं। इन्हें 1 हजार रुपये बढ़ाया गया है। Galaxy F17 5G (6/128) के दाम अब 17,999 रुपये हैं। इन्हें 1 हजार रुपये बढ़ाया गया है। Galaxy F17 5G (8/128) के दाम अब 19,999 रुपये हो गए हैं। इन्हें 1,500 रुपये बढ़ाया गया है।

OnePlus 15R भी होगा महंगा?: टिप्सटर के दावों पर भरोसा किया जाए तो OnePlus 15R को भी महंगा किया जा सकता है। यह स्मार्टफोन वनप्लस की सबसे लेटेस्ट लॉन्च डिवाइस है। भारत में इसे 47,999 की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया था। अब कहा जा रहा है कि कंपनी 1 मार्च के इसके दाम बढ़ा सकती है। अभिषेक यादव ने अपडेटेड MOPs शेयर किए हैं। दावा है कि वनप्लस 15R को 4 हजार रुपये महंगा किया जा सकता है, जिसके बाद फोन के दाम 51999 रुपये हो जाएंगे। यह 256 जीबी मॉडल की कीमत होगी। वहीं, 512 जीबी मॉडल के दाम बढ़ाकर 56999 रुपये किए जा सकते हैं।

क्यों बढ़ रहे स्मार्टफोन्स के दाम?: स्मार्टफोन्स की कीमतें बढ़ने की प्रमुख वजह रैम और स्टोरेज है। इनके दाम में बढ़ोतरी हो रही है। एआई के कारण दुनियाभर की कंपनियां धड़ाधड़ रैम और स्टोरेज के लिए ऑर्डर दे रही हैं। हाल ही में WD यानी वेस्टर्न डिजिटल ने बताया था कि उसके पास स्टोरेज के अगले 1 साल के ऑर्डर आ गए हैं। इसका असर स्मार्टफोन की कीमतों में भी दिखाई दे रहा है।

यूजर्स गाइड

चैट जीपीटी से आप कर सकते हैं अपनी साइबर सुरक्षा , फर्जी लिंक और स्कैम से बचाएगा

अब चैट जीपीटी आपको स्कैम और फर्जी लिंक से बचा सकेगा। दरअसल अब ChatGPT में ही Malwarebytes का इस्तेमाल करते हुए आप संदिग्ध लिंक्स और फोन नंबर के बारे में पता लगा सकते हैं। ऐसा करना बहुत आसान है। इसके लिए सिर्फ ChatGPT को Malwarebytes से कनेक्ट करना है और फिर आप ChatGPT से सीधे लिंक, नंबर या ईमेल आदि स्कैन करवा सकेंगे। तमाम उपलब्ध AI चैटबॉट्स में ChatGPT का इस्तेमाल भारतीय सबसे ज्यादा करते हैं। हालांकि कम ही जानते हैं कि वे ChatGPT का इस्तेमाल अपने और फोन के सिक्योरिटी गार्ड के रूप में भी कर सकते हैं। बशर्ते इसके लिए जरूरी सेटअप करना आता हो।

दरअसल आप ChatGPT में ही Malwarebytes के फीचर्स का फायदा उठा सकते हैं। ऐसे में यह बिना किसी एक्स्ट्रा ऐप के आपके फोन में मौजूद फर्जी लिंक और स्कैम मैसेज को खुद पहचानकर निकाल सकता है। दरअसल कुछ समय पहले ही ChatGPT ने कुछ ऐप्स का खुद में इंटीग्रेशन किया था। ऐसे में उन ऐप्स के फीचर्स का लाभ आप ChatGPT से ही उठा सकते थे। इसी की वजह से अब आप ChatGPT के जरिए किसी भी संदिग्ध मैसेज या स्पैम गतिविधि का पता लगा सकते हैं।

Malwarebytes एक डिवाइस प्रोटेक्शन सॉफ्टवेयर है, जो कि 20 साल से पुराना ऐप है और इंफेक्टेड डिवाइसेज को क्लीन करने और यूजर्स को संभावित स्पैम से अलर्ट करने के मामले में सबसे भरोसेमंद समझा जाता है। इसका इस्तेमाल अब आप अलग से इसके ऐप या सॉफ्टवेयर को इंस्टॉल किए बिना ही, सीधा ChatGPT के जरिए कर सकते हैं।

ChatGPT में इस फीचर का इस्तेमाल करने के लिए पहले ChatGPT अकाउंट में लॉग इन करें। अब सेटिंग्स में ऐप्स पर टैप करें। यहां ऐप स्टोर पर Malwarebytes को सर्च करें। ऐप मिल जाए, तो Connect पर क्लिक करें। इंटीग्रेट होने पर आप स्कैम और लिंक चेक रन कर सकते हैं। ChatGPT से अपना फोन या कोई और डिवाइस स्कैन करवाने के लिए तीन तरीके अपना सकते हैं।

पहला तरीका: @malwarebytes लिखें और उसे निर्देश दें, जैसे कि @malwarebytes, is this email a scam?

दूसरा तरीका: ChatGPT में लिखें कि Malwarebytes, is this a scam? और इसके बाद उस टेक्स्ट, लिंक या फोन नंबर को पेस्ट कर दें, जिस पर आपको शक हो। तीसरा तरीका: आप + बटन पर क्लिक करके ड्रॉप-डाउन मेन्यू से Malwarebytes को चुनकर स्कैन रन करें।

पटवारियों की हड़ताल वाली दबाव की राजनीति से जिले की जनता परेशान

सीमांकन, बंटवारा, नक्शा तरमीम, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जैसे कार्य दो हफ्ते से ठप

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले मे पटवारियों की हडताल से आम जनता परेशान है। पिछले 12 फरवरी से पटवारियों की हडताल लगातार जारी है। शासन -प्रशासन की समझाईश, नोटिस, कार्यवाही का कोई असर पटवारियों पर नहीं दिख रहा है। स्थिति इतनी खराब है कि तहसीलों और एसडीएम कार्यालयों मे भूमि और राजस्व से जुडे कार्य बिल्कुल ठप है। भूमि, नक्शा तरमीम , सीमांकन, बंटवारा, फार्मर आईडी, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र सहित अन्य कार्य नहीं होने से किसान, जमीन मालिक, हितग्राही, छात्र-छात्राएं परेशान हैं। पुराने तहसील परिसर मे अनाधिकृत तंबू लगाकर आन्दोलन कर रहे पटवारियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए एसडीएम कमलेश पुरी ने उन्हें वहाँ से हटा दिया था। इसके बावजूद पटवारी संघ अपनी मांगों को लेकर अडिग है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फार्मर रजिस्ट्री बकटिंग का लक्ष्य प्रदेश मे निचले स्तर पर है। अनूपपुर जिला निचले स्तर मे 13वें नम्बर पर है और केवल 26 प्रतिशत कार्य ही किया गया है। जबकि प्रमुख सचिव राजस्व म.प्र शासन के निर्देशानुसार फार्मर रजिस्ट्री करा कार्य (भूमिस्वामीवार) शीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश हैं। फार्मर रजिस्ट्री नैचुरशन (Bucket unclaimed) कार्य में प्रदेश स्तर पर अनूपपु जिले की प्रगति अति निम्न है। 30 जनवरी 2026 को आयोजित पटवारियों की बैठक में फार्मर रजिस्ट्री कार्य की समीक्षा किया जाकर कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश कलेक्टर हर्षल पंचोली ने दिये थे। वांछित प्रगति न होने की दशा में 03 फरवरी को पटवारियों का माह जनवरी का वेतन रोका दिया गया। जाहिर है कि लक्ष्यपरक कार्य समय पर पूर्ण ना होने से प्रदेश मे अनूपपु जिले की किरकिरी हो रही है।

जानकारी के अनुसार कलेक्टर हर्षल पंचोली के आदेशानुसार तहसील स्तर पर पदस्थ पटवारी, जिन्होने अपने प्रभार के किसी भी एक ग्राम में 30 प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री बकटिंग का कार्य पूर्ण कर लिया हो, उन पटवारियों का वेतन आहरण की अनुमति प्रदान की गयी है।

शेष ऐसे पटवारी जिन्होने अपने प्रभार के किसी भी ग्राम में 30 प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री बकटिंग कार्य पूर्ण नही किया है उनका वेतन आहरण प्रतिबंधित रहेगा। इससे साफ जाहिर है कि पटवारी अपने काम के प्रति गंभीर नहीं है, उन पर कलेक्टर के आदेश का कोई असर नहीं हो रहा है। इससे जिले भर मे यह संदेश जा रहा है कि पटवारी जिला प्रशासन को संगठन के दबाव मे काम करने के लिये मजबूर करना चाह रहे हैं। लोकतंत्र मे हडताल, धरना प्रदर्शन करने का सबको अधिकार है । लेकिन कलेक्टर सहित अपने अधिकारियों के आदेश/निर्देशों की अवहेलना करना, कार्य ना करना और हडताल के माध्यम से दबाव बनाना उचित नहीं कहा जा सकता।

न्यूज विंडो

सेंट एसआरएस स्कूल के 15 विद्यार्थी विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चयनित

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित विज्ञान मंथन यात्रा हेतु सैण्ट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के 15 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। चयन की सूचना मिलते ही विद्यालय में हर्ष का वातावरण व्याप्त हो गया। विज्ञान प्रभारी प्रियंका अग्रवाल एवं डॉ. कमला चतुर्वेदी ने बताया कि विदिशा जिले से कुल 48 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। प्रस्तावित यात्रा 20 से 27 अप्रैल के मध्य आयोजित होगी। इसमें कक्षा 10वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को शामिल किया जाता है। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों को बेंगलुरु एवं श्रीहरिकोटा स्थित प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है, ताकि वे ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। कक्षा 10वीं से अनुराग अहिरवार, मनीष विश्वकर्मा, मुस्कान अहिरवार; कक्षा 11वीं से अक्षत रघुवंशी एवं प्रशांत कुमार चौधरी तथा कक्षा 12वीं से अरुण अहिरवार, भूमि सेन, गुरुप्रताप रघुवंशी, कुणाल चौधरी, महिमा राजपूत, निकिता यादव, प्रिंस जैन, शिखा लोधी, तान्या शर्मा एवं सानिध्य कद्रे का चयन किया गया है। वहीं दिशा यादव, अदिति यादव, सक्षम जाटव एवं चंचल सिंह को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। संस्था के डायरेक्टर के.एस. यादव, मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती सुधा यादव, प्राचार्य उमेश चंद्र यादव, उप प्राचार्य श्रीमती रजनी गुप्ता सहित शिक्षकगण डॉ. विजय जैन, डॉ. अमर सिंह ठाकुर, के.पी.एस. चौहान, दिनकर कद्रे एवं कुलेन्द्र श्रीवास्तव ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूचना पर पुलिस ने की छापामार कार्रवाई, कई ड्रम में स्टोर कर रखा था केमिकल

मंदसौर में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ाई, 1886 किलो केमिकल मिलने से हड़कंप, आरोपी फरार

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

जिले की वाय डी नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान से 1886 किलो ड्रग्स बनाने का केमिकल जब्त किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि, मंदसौर कृषि उपज मंडी के सामने एक युवक किराए के मकान में कई ड्रम में भरकर ड्रग्स बनाने का केमिकल स्टोर कर रखा है। उक्त केमिकल को एमडी ड्रग्स बनाने के इस्तेमाल किया जाता था।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मकान की तलाशी ली तो कई ड्रम में बदबूदार केमिकल भरा मिला। पुलिस ने उक्त केमिकल का परीक्षण करवाया तो केमिकल एमडी ड्रग्स बनाने के उपयोग में लिए जाए जाना वाला केमिकल ही पाया गया। पुलिस ने अवैध केमिकल को जब्त किया और मकान में किराए से रह रहे आरोपी श्रेयांस के खिलाफ अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज किया है। फिलहाल, फैक्ट्री चलाने वाला नशे का सौदागर पुलिस गिरफ्त से फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। पुलिस अब मामले में अन्य किरायेदारों की हिस्ट्री भी निकाल रही है कि, वो केमिकल को कहा से लाते थे और कहां सप्लाई करता था।

पहले भी पकड़ा चुका है 12 करोड़ का एमडी ड्रग्स

मंदसौर जिला नशे की सौगादगरी का बड़ा गढ़ बनता जा रहा है। खास कर एमडी ड्रग्स से जुड़े मामले यहां लगातार सामने आ रहे हैं। इससे पहले 7 फरवरी 2026 शनिवार देर शाम गरोठ थाना क्षेत्र के गांव सुरजना गांव में पुलिस ने एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री का भांडाफोड़ किया था। फैक्ट्री से करीब 12 किलो एमडी और बड़ी मात्रा में उसे बनाने का केमिकल जब्त किया गया था। जब्त एमडी की अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में कीमत करीब 12 करोड़ रुपए आंकी गई थी। उस दौरान फैक्ट्री से पुलिस ने दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था।

कटनी के माधवनगर थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी की हैवानियत ने झकझोरा

बंधक बनाकर महिला से दुष्कर्म, बेटे व पति से मारपीट

कटनी। दोपहर मेट्रो

माधवनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में सामने आया महिला से बंधक बनाकर दुष्कर्म का मामला मानवता को शर्मसार करने वाला है। आरोपी ने न केवल महिला की अस्मिता पर हमला किया, बल्कि उसके मासूम बच्चों को ढाल बनाकर पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन घटना की क्रूरता ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है।

जानकारी के अनुसार माधवनगर क्षेत्र में विपिन बिलौहा के खेत में पति-पत्नी मजदूरी करते थे। उनके साथ दशरथ कोल नामक व्यक्ति भी काम करता था, जो चांदमारी के पास कचरा प्लांट के समीप रहता है। 12 फरवरी की शाम आरोपी ने साजिश रचते हुए महिला के पति को मोटर बंद करने के बहाने खेत से दूर भेज दिया। पति के हटते ही उसने महिला के दोनों छोटे बच्चों को ऑटो में बैठाया और जान से मारने की धमकी देकर महिला का अपहरण कर लिया। आरोपी बच्चों को कछगवां गांव ले गया, जहां एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाले परिचित के यहां उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद महिला को चांदमारी के पास एक कमरे में ले जाकर बंधक बना लिया गया। कमरे को बाहर से ताले में बंद कर दिया गया, जिससे महिला का बाहर निकलना असंभव हो गया। भय और आतंक के साए में उसे रखा गया। बताया गया है कि आरोपी

महिला को मानसिक रूप से तोड़ने के लिए लगातार धमकाता रहा। उसे सीमित मात्रा में भोजन दिया जाता था और एक डिब्बे में निस्तार करने के लिए मजबूर किया गया। यह पूरी स्थिति महिला के लिए गहरी यातना और अपमानजनक थी। आरोपी हर दिन उस पर अत्याचार करता रहा और किसी को भनक न लगे, इसके लिए सामान्य रूप से खेत पर काम करने भी जाता रहा। इधर महिला का पति और परिजन लगातार उसकी तलाश में भटकते रहे। आरोपी ने शक से बचने के लिए झूठी कहानी गढ़ी कि महिला विदिशा में काम करने गई है और चैत्र नवरात के आसपास लौट आएगी। पति इस भरोसे में रहा, लेकिन मन में अनहोनी की आशंका बनी रही। इस बीच महिला का बड़ा बेटा मां को ढूंढते-ढूंढते कचरा प्लांट के पास पहुंच गया, जहां उसने मां को देख लिया। जैसे ही बच्चे ने मां को पुकारा, आरोपी ने उसे पकड़ लिया, मारपीट की और धमकी देकर कुछ रुपए थमाकर भगा दिया। बच्चा किसी तरह खेत पहुंचा और पूरी घटना अपने पिता को बताई।

बच्चों को किया बरामद

बुधवार सुबह पति मौके पर पहुंचा तो आरोपी ने उसे भी पकड़ लिया और मारपीट की। महिला को भी गंभीर चोटें आईं। शोरगुल होने पर खेत मालिक और अन्य मजदूरों को घटना की जानकारी लगी। सभी ने मिलकर महिला को बंधन से मुक्त कराया। सूचना मिलते ही 112 पर कॉल किया गया, जिसके बाद माधवनगर पुलिस मौके पर पहुंची। कछगवां गांव स्थित ईंट भट्ठे से दोनों मासूम बच्चों को भी सुरक्षित बरामद किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएसपी नेहा पच्चीसिया जिला अस्पताल पहुंचीं और पीड़िता से बातचीत की। महिला का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी नेहा पच्चीसिया ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है। इस जघन्य अपराध में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को कठोर सजा दिलाने के लिए मजबूत साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। महिला का इलाज जिला अस्पताल में कराया गया है।

जमीन विवाद में रिश्तों की मर्यादा तार-तार करने वाली कारतूत

बेटे ने जीवित मां और बहन को सोशल मीडिया पर दी 'श्रद्धांजलि', सिर मुंडवाकर फोटो की वायरल

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम घूरा से रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने अपनी जिंदा मां और बहन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्हें मृत घोषित कर दिया और भगवान से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना लिख दी। यह पोस्ट वायरल होते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मामला अब पुलिस की चौखट तक पहुंच गया है।

पड़ताल में सामने आया कि इस विवाद के पीछे एक कानूनी मजबूरी और पारिवारिक कलह है। युवक भरत शिवहरे के पिता वृंदावन शिवहरे पर चेक बाउंस का पुराना मामला चल रहा है, जिसमें न्यायालय ने 27 महीने की सजा या 6 लाख रुपये जमा करने का आदेश दिया है। भरत चाहता था कि 3 लाख रुपए मां-बहन दें और 3 लाख वह खुद मिलाए ताकि पिता को जेल जाने से बचाया जा सके। इसी राशि की व्यवस्था और पिता द्वारा बेटी सोनम के नाम किए गए मकान

को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि रिश्तों का कत्ल हो गया। बताया जा रहा है कि घर में खाने-पीने से लेकर रहने तक के दो हिस्से हो चुके हैं। बहस के दौरान जब मां पुष्पा शिवहरे ने गुस्से में कह दिया कि तुम दोनों के लिए मैं मर गई और मेरे लिए तुम दोनों मर गए हो, तो बेटे भरत ने इस बात को गंभीरता से लेते हुए अपना मुंडन करा लिया और सोशल मीडिया पर मां-बहन को मृत बताते हुए पोस्ट डाल दी।

थाने पहुंची मां-बहन, भाई पर लगाए मारपीट के आरोप

पीड़ित मां पुष्पा शिवहरे और बहन सोनम ने बमीठा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सोनम का आरोप है कि भाई भरत जमीन और मकान के बंटवारे को लेकर उनके साथ अभद्रता और मारपीट करता है। उधर, भरत का तर्क है कि वह अपने पिता को जेल जाने से बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है और परिवार के अन्य सदस्य इसमें सहयोग नहीं कर रहे, जिससे आहत होकर उसने भावावेश में यह कदम उठाया।पुष्पा शिवहरे की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने भरत शिवहरे और उसके पिता वृंदावन शिवहरे के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पारिवारिक और जमीनी विवाद है, जिसकी गहराई से जांच की जा रही है।

मेट्रो एंकर

सनकादिक आश्रम में चल रही श्रीमद् भागवत का श्रवण करने उमड़े श्रद्धालु

संत समस्या नहीं उछालते, समाधान का मार्ग दिखाते हैं : श्रीमहंत

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

जीवन में जब कष्ट मनोबल को तोड़ने लगते हैं, तब व्यक्ति अक्सर अपना दुख समाज के सामने प्रकट कर देता है, लेकिन भीड़ संवेदना की जगह उपहास और तंज में बदल जाती है। संत समस्या नहीं उछालते, बल्कि समाधान का रास्ता दिखाते हैं। यह उद्बोधन नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहरदास महाराज ने चित्रकूट स्थित सनकादिक आश्रम में चल रही भरत चरित्र कथा के सातवें दिवस व्यक्त किए। महाराज ने कहा कि अपने कष्टों को बाजार की भीड़ में रखने के बजाय संतों और गुरुओं के चरणों में समर्पित करना चाहिए। संसार केवल सुनता है, जबकि संत संभालते हैं। समाज में लोग एक-दूसरे के दुख को सुनकर अक्सर तुलना या उपहास का विषय बना देते हैं, किंतु महात्मा का हृदय दूसरों के दुख को अपना मान लेता है। भरत चरित्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने

बताया कि भरत ने अपने दुख से पहले राम, सीता और लक्ष्मण के कष्ट को देखा और संतों की शरण में जाकर मार्ग पाया। यही दृष्टिकोण जीवन में अपनाने से व्यक्ति अहंकार से ऊपर उठकर करुणा और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि संत का लक्षण यह है कि वह पहले सहानुभूति देता है, फिर उपदेश। किसी के दुख पर उसकी आँखें नम होना और भीतर से व्याकुल होना ही सच्ची करुणा की पहचान है। दुख का समाधान केवल सलाह से नहीं, बल्कि साथ खड़े होने से निकलता है। महाराजश्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि कठिन समय में क्षणिक तालियों पर भरोसा न करें, बल्कि संत-संगति, साधना और सेवा को जीवन का आधार बनाएं। संतों के सान्निध्य में बैठने से जीवन की उलझनों को देखने का दृष्टिकोण बदलता है और मन को शांति के साथ सही दिशा प्राप्त होती है।

एक्सीडेंट केस में फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर दस्तावेजों में किया हेरफेर, मामला दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

जिला न्यायालय के कड़े रुख के बाद धामनोद पुलिस ने एक दम्पति और स्टाम्प वेंडर के खिलाफ दस्तावेजों की कूटरचना और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी धरमपुरी विवेक जैन के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। मामला एक सड़क दुर्घटना से शुरू हुआ था, जिसकी जांच आरक्षी केंद्र धामनोद द्वारा की जा रही थी।

दुर्घटना में शामिल स्कूटी एमपी 46 एमटी 1601 की स्वामी सारिका बुन्देला थीं। सारिका ने कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए पुलिस को बताया कि उन्होंने अपने पति दिनेश बुन्देला के नाम पावर ऑफ अटॉर्नी दे रखी है और वही वाहन चलाते हैं। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में भारी विसंगतियां हैं। पावर ऑफ अटॉर्नी का निष्पादन 01 अप्रैल 2025 को दिखाया गया, जबकि इसके लिए स्टाम्प 24 अप्रैल 2025 को खरीदा गया था। यह स्पष्ट रूप से घटना 11 अप्रैल 2025 के बाद बैकडेट में तैयार किया गया दस्तावेज प्रतीत हुआ। स्टाम्प वेंडर के रजिस्टर में सारिका का नाम तो दर्ज था, लेकिन उनके हस्ताक्षर नहीं थे। स्टाम्प के सरल क्रमांक में भी स्पष्ट रूप से काट-छाँट की गई थी। न्यायालय ने माना कि वाहन स्वामिनी को कानूनी धाराओं मोटरयान अधिनियम की धारा 5/180 से बचाने के लिए यह आपराधिक षड़यंत्र रचा गया। अदालत के कड़े आदेश के बाद अब दिनेश बुन्देला, सारिका बुन्देला और स्टाम्प वेंडर आनंद शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बोरिया बीट का मामला : सागौन की लकड़ी लेकर आ रहे आरोपी को रोकने पर हुआ था विवाद

टाइगर रिजर्व में वनरक्षक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला, गंभीर घायल

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वन अमले की टीम पर आए दिन हो रहे हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। माफियाओं द्वारा हमला कर वन कर्मियों को घायल किया जा रहा या फिर कभी फायरिंग की जा रही तो कभी बम धमाके किए जा रहे हैं। वन माफियाओं और तस्करों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें कानून का डर नहीं बचा है। बीते दिनों ही टाइगर रिजर्व के डोंगरगांव रेंज में वन अमले की टीम पर फायरिंग की करने का मामला सामने आया है। एक बार फिर से वनपाल पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया है। जैसे गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सर्रा गेम परिक्षेत्र के बोरियां में पदस्थ वनपाल बृजेश पिता कमलापत सेन उम्र 38 वर्ष निवासी तेंदूखेड़ा पर जंगल भ्रमण के दौरान भूरा ठाकुर द्वारा पीछे से कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और मौके से भाग निकला है। वनपाल बृजेश सेन को प्राइवेट वाहन की मदद से घायल अवस्था में तेन्दूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही घायल के परिजनों स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घटना की जानकारी ली और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया है।

पुलिस व वन विभाग अलर्ट, आरोपी पकड़ा

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर आरोपी की तलाश शुरू की गई है। साथ ही टाइगर रिजर्व के सर्रा गेम परिक्षेत्र की वन विभाग की टीम ने खोजबीन शुरू कर आरोपी को गांव से पकड़कर वन परिक्षेत्र कार्यालय लेकर पहुंचे जहां वन विभाग द्वारा कार्रवाई कर आरोपी को पुलिस के हवाले किया जाएगा पूरे मामले की पुलिस और वन विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

जंगल भ्रमण के दौरान दिया वारदात को अंजाम

वन विभाग की टीम ने बताया कि वनपाल अपने क्षेत्र में भ्रमण पर थे तभी बोरिया गांव में रहने वाला भूरा ठाकुर जंगल से सागौन की लड़की लेकर आ रहा था जिसको वनपाल ने रोककर सागौन की लड़की पकड़ने का प्रयास किया और दोनों के बीच कहासुनी हो गई। भूरा ने साथ में लिए कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और मौके से भाग निकला। हमले के बाद घायल वनपाल ने घटना की सूचना वन परिक्षेत्र अधिकारी और अन्य वन स्टाप को दी और घायल अवस्था में सर्रा पहुंचे, जहां से प्राइवेट वाहन से स्वास्थ्य केंद्र आए जहां से डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद घायल वनपाल को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

न्यूज विंडो

शांति समिति की बैठक में आगामी त्यौहारों को लेकर की चर्चा

तेंदूखेड़ा। थाना परिसर में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी समुदायों के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी एवं नगर निरीक्षक रविंद्र बागरी ने उपस्थित नागरिकों से आगामी पर्वों को आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं शांति के साथ मनाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 02 मार्च को होलिका दहन, 03 मार्च को धुरेड़ी, 08 मार्च को रंग पंचमी तथा 21 मार्च को ईद-उल-फितर का पर्व मनाया जाएगा। इन अवसरों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने, अफवाहों से बचने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश प्रसारित न करने की अपील की गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। नगरवासियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा गया कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेश जैन, मंडल अध्यक्ष संतपाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव, संजय जैन, बबलू घोषी, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष मुन्ना लाल विश्वकर्मा, सोनू खान, खलील खान सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा क्षेत्र की बेटी विशाखा यादव को अलंकार पुरस्कार से सम्मान

तेंदूखेड़ा। नगर एवं क्षेत्र के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि नगर से लगभग 1 किलोमीटर दूर स्थित बम्हौरी पाँजी ग्राम की प्रतिभाशाली छात्रा विशाखा यादव को शासकीय मोहनलाल हरगोविंददास गृहविज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा आयोजित अलंकार पुरस्कार वितरण समारोह में अलंकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा महाविद्यालयीन गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रदान किया गया। विशाखा यादव, जो बम्हौरी पाँजी के पूर्व सरपंच संतोष यादव की सुपुत्री हैं, ने निरंतर परिश्रम, लगन और समर्पण के बल पर यह विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की है। उनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे नगर को गौरवान्वित किया है। पुरस्कार वितरण समारोह में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया। समारोह में उपस्थित प्राध्यापकों एवं अतिथियों ने विशाखा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगी। इस उपलब्धि से तेंदूखेड़ा नगर एवं आसपास के क्षेत्र में हर्ष का वातावरण व्याप्त है। विशाखा यादव की यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी है।

सहायक आयुक्त के कक्ष में घुसकर किया था हंगामा

अधिकारियों से अभद्रता करने वाली दोनों शिक्षिकाएं निलंबित

धार। दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय स्थित जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय में हंगामा करने वाली दो शिक्षिकाओं की अनुशासनहीनता पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने दोनों शिक्षिकाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों शिक्षिकाओं ने एक दिन पूर्व जनजातीय कार्य विभाग में अपने परिजनों के साथ मिलकर जमकर हंगामा किया था। शिक्षिकाओं ने न केवल सहायक आयुक्त के कक्ष में अनाधिकृत प्रवेश किया, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गाली-गलौज कर शासकीय कार्य में बाधा भी डाली थी। हाईस्कूल ज्ञानपुरा की माध्यमिक शिक्षक रेखा यादव अपनी बेटी परिवीक्षाधीन शिक्षक, मावि देलमी सुहासिनी यादव और पति धर्मेंद्र यादव के साथ बिना अनुमति सहायक आयुक्त नरोत्तम बरकडे के कक्ष में दाखिल हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों और कार्यालयीन स्टाफ के अनुसार तीनों ने अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार किया और टेबल पर हाथ पटके और वहां रखा कांच का गिलास फोड़ दिया। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद स्टाफ को जान से मारने और स्वयं आत्महत्या करने की धमकी भी दी।

घटना से आक्रोशित अधिकारियों-कर्मचारियों ने सौंपा आवेदन

इस घटना से आक्रोशित विभाग के लगभग 30 अधिकारी-कर्मचारियों ने लामबंद होकर नौगांव थाने में शिकायती आवेदन सौंपा और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपे आवेदन में स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे कलम बंद हड़ताल पर चले जाएंगे। विभागीय जांच में घटना के वीडियो फुटेज और सोशल मीडिया पर वायरल साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं। संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास, इंदौर संभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार रेखा माध्यमिक शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इनका मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सरदारपुर नियत किया गया है। इसी तरह सुहासिनी यादव परिवीक्षाधीन शिक्षक को भी निलंबित कर इनका मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बाग जिला धार तय किया गया है।

बगदरी घटिया की घटना

घाट की उतार पर अनियंत्रित होकर पलटा टैंकर, चालक घायल

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर घाट की उतार पर पलट गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन ट्रक के परखच्चे उड़ गए हैं। घटना के संबंध में जानकारी तेन्दूखेड़ा पाटन मार्ग पर स्थित बगदरी घटिया पर यह हादसा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पाटन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई। बताया गया है सीमेंट मटेरियल का कंटेनर टैंकर ट्रक था जो कि दमोह की ओर से पाटन जबलपुर जा रहा था, लेकिन पाटन थाना क्षेत्र की बगदरी की घाट उतरते समय ट्रैक अनियंत्रित होकर सड़क छोड़ खाई में जा पलटा। बताया गया है कि ट्रंक रिंग रोड कंपनी का है इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। चालक को मामूली चोंट आई है जिसका पाटन स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है और ट्रक सामने से क्षतिग्रस्त हो गया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

धानमोद पुलिस ने अज्ञात पर दर्ज किया प्रकरण

युवती की फोटो से बनाई फर्जी इंस्टाग्राम आईडी पोस्ट डिलीट करने के बदले मांगे 10 हजार रुपए

धामनोद। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर पहचान छिपाकर अपराध करने वाले अज्ञात आरोपी ने युवती की फोटो का इस्तेमाल कर न केवल फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई गई, बल्कि आपत्तिजनक पोस्ट हटाने के नाम पर उसके परिवार से रुपयों की मांग भी की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना 19 फरवरी की सुबह की है। उसके भाइयों, पीयूष और पवन ने उसे जानकारी दी कि इंस्टाग्राम पर उसके नाम से एक आईडी सक्रिय है, जिस पर पीड़िता की फोटो लगी हुई है। पीड़िता ने स्पष्ट किया कि वह सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करती है और न ही उसने ऐसी कोई आईडी बनाई है।

चैट का वीडियो बनाकर किया अपलोड

युवती को बदनाम करने की धमकी देकर अवैध वसूली करने का प्रयास

उस फर्जी आईडी से किसी अज्ञात युवक-युवती की चैट का वीडियो बनाकर अपलोड कर दिया गया। जब पीड़िता के भाई ने अपनी आईडी के माध्यम से उस अज्ञात व्यक्ति से संपर्क किया और पोस्ट व आईडी डिलीट करने को कहा, तो आरोपी ने सौदेबाजी शुरू कर दी। आरोपी ने आईडी और आपत्तिजनक पोस्ट हटाने के बदले दस हजार रुपये की मांग की। डराने-धमकाने के साथ-साथ आरोपी ने पैसे प्राप्त करने के लिए पीड़िता के भाई के इंस्टाग्राम पर दो अलग-अलग क्यूआर कोड भी भेजे। इस प्रकार अज्ञात जालसाज युवती की छवि खराब करने का डर दिखाकर परिवार से अवैध वसूली की कोशिश कर रहा है। मामले में धामनोद पुलिस ने अज्ञात पर प्रकरण दर्ज जांच शुरु की है, थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे ने बताया कि यदि कोई आपकी फोटो का गलत इस्तेमाल करे या पैसे मांगे, तो तुरंत साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराएं।

रानीपुरा गणेश मंदिर के पास की वारदात

जादू-टोना के शक पर बदमाशों ने दंपती पर किया कटर हमला, पति की मौत

सागर। दोपहर मेट्रो

घर में समोसा की दुकान चलाने वाली एक दंपति पर बदमाशों ने कटर से हमला कर दिया। वारदात में पति कि मौत हो गई जबकि घायल पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के रानीपुरा इलाके में बुधवार को हुई।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पहुंच कर जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि कटरबाजों ने गुनयाई (जादू-टोना) के शक पर वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय दंपति के इकलौता बेटा ने से भाग कर जान वारदात से इलाके में सनसनी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार रानीपुरा गणेश मंदिर के पास 40 वर्षीय चंद्रेश उर्फ चंदू चौरसिया व उनकी पत्नी सखी और बेटा घर पर था। शाम करीब 7.30 बजे नशे में धुत 5 लड़के कटर लेकर आए और चंद्रेश पर हमला बोल दिया। बचाने आई पत्नी को भी नहीं छोड़ा। उसे भी लहूलुहान कर दिया। माता-पिता को खून से लतपथ देख बेटा जान बचाकर घर से बाहर आ गया। बदमाश मौके से फरार हो गए। मोहल्ले के लोगों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। जिस पर कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल मौके पर पहुंचे। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पत्नी सखी का इलाज चल रहा है। जिन लड़कों पर हमले का आरोप है उनमें से ज्यादातर का आपराधिक रिकॉर्ड है। पूर्व में हुई कटरबाजी की वारदातों में शामिल रहे हैं। कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। उनकी आयु को लेकर प्रमाण जुटाए जा रहे हैं। बदमाशों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। मृतक के रिश्तेदारों के अनुसार आरोपियों को शक था कि उन पर चौरसिया दंपती गुनयाई करा रहे हैं। हालांकि कोई और भी कारण हो सकता है। पुराने अपराधों में जिन लोगों ने बदमाशों की जमानत ली है उनका भी रिकॉर्ड देखा जा रहा है।

मेट्रो एंकर

संकल्प से समाधान के तहत सहजपुर में क्लस्टर स्तरीय शिविर एवं रात्रि चौपाल का सफल आयोजन

ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित किया निराकरण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिला प्रशासन के निर्देशन में ग्राम पंचायत सहजपुर में क्लस्टर स्तरीय द्वितीय शिविर एवं रात्रि चौपाल का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक एक ही स्थान पर पहुँचाना एवं ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना था।

शिविर में कुल 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजन शामिल हुए, जिनमें अजीतपुर, इमलीडोल, कुदपुरा, कोडल, खमरियाकलां, जामुनखेड़ा, झरौली, धनेटामाल, नरगुवामाल, पाठादों, पिंडरईपाजी, बैरागढ़, बैलवाड़ा, बोरिया, भैसा, महगुवाकलॉ, महगुवाखुर्द, समनापुर, सैलवाड़ा एवं सहजपुर के लगभग 500 ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कुल 152 आवेदन

प्राप्त हुए, जिनका निराकरण मौके पर ही किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की गईं। कुल 64 स्किल टेस्ट संपन्न किए गए, 70 आयुष्मान कार्ड बनाए गए तथा 12 हितग्राहियों का अटल पेंशन योजना में पंजीयन किया गया। इसके अतिरिक्त 4 हितग्राहियों को सुरक्षा बीमा योजना एवं 10 हितग्राहियों को जीवन सुरक्षा बीमा योजना से जोड़ा गया। शिविर के उपरांत कलेक्टर की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 आवेदनों का त्वरित निराकरण कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया। चौपाल में मुख्य रूप से बंटवारा, नामांतरण, आवास योजना, शौचालय निर्माण तथा अन्य राजस्व एवं पंचायत संबंधी प्रकरणों पर सुनवाई कर मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। यह आयोजन शासन की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने तथा आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। जिला प्रशासन द्वारा भविष्य में भी ऐसे शिविरों के माध्यम से जनसमस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। इस दौरान एसडीएम सौरव गंधर्व, तहसीलदार विवेक व्यास, जनपद पंचायत सीईओ मनीष बागरी, पीएम आवास ब्लाक समन्वयक रोहित यादव ,राहुल गंगरा, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी बीईओ नितेश पांडे सहित ग्राम पंचायत समिति अध्यक्ष गुड्डू दुबे , सरपंच प्रतिनिधि रघुनाथ पाल, ग्राम पंचायत सचिव नीतू अठया उपस्थिति रही।

किसान व आजीविका समूह सम्मेलन आज, सीएम डॉ. यादव होंगे शामिल

सागर। दोपहर मेट्रो

गढ़ाकोटा रहस लोकोत्सव 2026 के अंतर्गत 26 फरवरी को शाम 4 बजे रहस मेला मैदान, गढ़ाकोटा में बुंदेलखंड स्तरीय किसान एवं ग्रामीण-शहरी आजीविका समूहों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर किसानों और आजीविका समूहों को संबोधित करेंगे। बुन्देलखण्ड स्तरीय किसान एवं ग्रामीण-शहरी आजीविका समूहों के सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आ रहे है। रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों एवं आजीविका समूहों की बहनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

निखरेंगे या बिखरेंगे... कसौटी पर एकादश चयन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से श्रीलंका टीम बाहर हो चुकी है।कल खेले गये सुपर 8 में ग्रुप 2 के तहत खेले गए रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 61 रनों से बाजी मारी और सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी बेहद मजबूत कर ली है।घरेलू मैदान पर लीग राउंड में दमदार दिखने वाली श्रीलंका टीम की सुपर8 के दोनों ही मैचों में मिली हार की वजह ओर तरीका एकसा नजर आया।मतलब टॉस जीते,फैसला चूके(टॉस जीतकर फील्डिंग) और फिर मैच हारे।सही मायने में यह टीम अपने मैदान ओर पिच के मिजाज को पढ़ने में नाकामयाब रही जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।शायद उनको इस बात का एहसास ही नहीं हुआ कि बड़े मैचों में स्कोरबोर्ड प्रेशर के मायने क्या होते हैं।मौजूदा वर्ल्ड कप की ही बात करें तो लीग चरण के बाद होने वाले सुपर8 के अहम मुकाबलों के खेले गये 5 में से 4 मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर मैच जीतना भी यही जताता है। श्रीलंका की इस हार के बाद अब ग्रुप 2 से सेमीफइनल में पहुंचने वाली टीमों की तस्वीर कुछ हद तक साफ हो गयी है,हालांकि पाकिस्तान टीम इस रेस में बनी हुई है लेकिन इसके लिए उसको अपनी जीत के साथ न्यूजीलैंड के लिए बड़ी हार की भी दुआ करनी होगी।खैर यह सब गणित तो दूसरे ग्रुप के मैचों के लिए हैं।अब बात अगर ग्रुप 1 में आज होने वाले डबल हेडर मुकाबलों की करें तो फिर दोनों ही भिड़ंत बेहद रोचक कही जा सकती हैं।वजह यह है कि मैच भले ही दो टीमों के होते हैं,लेकिन मजेदार बात यह है कि किसी भी टीम की जीत हार के गणित का असर सभी टीमों पर पड़ता है।ऐसा ही नजारा आज होने वाले मुकाबलों का है।दरअसल अहमदाबाद में आज होने वाला पहला मुकाबला भले ही साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच होना है,लेकिन इस मैच पर टीम इंडिया की भी नजरें टिकी हुई हैं।अगर इस मैच में वेस्टइंडीज टीम ने बाजी मार ली तो फिर टीम इंडिया की सेमीफाइनल की राह थोड़ी मुश्किल हो जायेगी।मतलब एकदम साफ है कि सुपर8 के बचे हुए सभी मैच अब अगर-मगर के तमाम गणित के साथ होंगे।टीम इंडिया के नजरिये से सबसे अच्छी बात यह है कि आज का मैच हो या फिर बात सुपर8 में वेस्टइंडीज से होने वाली आखिरी भिड़ंत की हो उसको सभी तरह अंको और नेट रनरेट के सभी गणित मैच के पहले मालूम रहेंगे।खैर गणित जो भी हो फिर भी सच तो यही है कि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को हर हाल में अब अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

सुपर-8 में अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी शिकस्त के बाद टीम इंडिया की नजर आज जिम्बाब्वे के खिलाफ चेन्नई में होने वाले मैच पर है।सही मायने में आज का यह मुकाबला दोनों ही टीमों के लिए %करो या मरो% वाला है।टीम संयोजन की बात करें तो भले ही तमाम जानकार सैमसन की पैरवी कर रहे हैं,लेकिन मेरे नजरिये में अक्षर पटेल और कुलदीप जैसे मैच विनर की वापसी एकादश में होना चाहिए।वहीं बल्लेबाजी क्रम में तो फेरबदल कर भी टीम की ताकत बढ़ायी जा सकती है।यह तो वक्त ही बतायेगा की मैनजमेंट इस मैच में कौनसा फार्मूला अपनाता है।वैसे टीम इंडिया का पलड़ा इस मैच में बेहद मजबूत नजर आ रहा है,लेकिन बल्लेबाजों के लचर खेल और टीम मैनेजमेंट के एकादश चयन व रणनीतियों से तमाम सवाल उपजे है।जिस वजह से टीम इंडिया बिखरी हुई नजर आ रही है।मुकाबला जैसा भी हो लेकिन उलझी हुई टीम इंडिया की परेशानी सुलझाने के नजरिये से यह मुकाबला रोचक हो गया है।वैसे भले ही टीम इंडिया आज के मुकाबले से पहले लड़खड़ाती नजर आयी है,लेकिन अगर हम बात जिम्बाब्वे की करें तो यही वह टीम है जिसने भारतीय क्रिकेट के दौर को पलटने का काम किया था। सच कहें तो क्रिकेट के सभी चाहने वालों को याद है कि 1983 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के सपनों को आकार देने वाली टीम यही थी।आज एक बार फिर वही मौका ओर सामने वाली टीम भी वही है।बस फर्क इतना है कि उस समय की कपिल सेना दावेदार नहीं थी,जबकि अब यह टीम इस फ़ॉर्मेट की नंबर 1 है।अब देखना यह है कि मौजूदा वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी दावेदार टीम इंडिया आज के मैच से कैसे निखरती है।मतलब साफ है कि टीम इंडिया के लिए यह मैच जीत के साथ ही उसकी खोयी हुई लय हासिल करने के लिहाज से भी बेहद अहम होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप : सुपर-8 में आज भारत के सामने जिम्बाब्वे

करो या मरो के मुकाबले में फंसा गत चैंपियन, सेफा की उम्मीदों को जिंदा रखने हर हाल में जीत जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

टी0 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया गुरुवार को जिम्बाब्वे से सुपर-6 के मुकाबले में भिड़ेगी। डिफेंडिंग चैंपियन टीम इंडिया के सामने आज जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई बन गया है। यहीं नहीं चैम्पियन भारत 'करो या मरो' के मुकाबले में फंस गया है और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों के लिए उसे जिम्बाब्वे को हराना होगा। सुपर 8 में बने रहने की लड़ाई नाम, आंकड़ों या टूर्नामेंट से पहले की हाइप से तय नहीं होती; यह हिम्मत, मेहनत और दबाव में हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की इच्छा से तय होती है।

गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में उमस भरी शाम को, भारत और ज़िम्बाब्वे दोनों यह जानते हुए मुकाबले में उतरेंगे कि एक और हार न सिर्फ उनके कैंपेन को नुकसान पहुंचाएगी, बल्कि उनके सेमीफाइनल के सपने भी खत्म कर देगी।

शुरुआती ओवरों में टॉप ऑर्डर को डिसिप्लिन दिखाना होगा, नई गेंद की चुनौती को समझना होगा और फिर कंट्रोल में अटैक करना होगा। बीच के ओवर जंग का मैदान बन जाते हैं जहां या तो मोमेंटम बचाना होता है या खोना होता है। बहुत कुछ सूर्यकुमार यादव के निडर स्ट्रोक प्ले पर निर्भर करेगा, जो एक ऐसे बैट्समैन हैं जो तेज और अहम शॉट सिलेक्शन से गेम की लय बदल सकते हैं। उनका साथ हार्दिक पंड्या की जबरदस्त फिनिशिंग काबिलियत देगी, जिनसे उम्मीद की जाएगी कि वे क्लासिक लेट-इनिंग्स रोल-एब्ज़ॉर्ब प्रेशर निभाएंगे, फिर जब बॉलर थक जाएं और फील्ड फैल जाए तो स्ट्राइक करेंगे। गेंदबाजों को मिलेगा फायदा- भारत की बॉलिंग कंट्रोल और पेनेट्रेशन पर बनी है। जसप्रीत बुमराह का अनुभव और सटीकता पावरप्ले और डेथ ओवर्स दोनों में जरूरी होगी, जबकि वरुण चक्रवर्ती का स्पिन कंट्रोल पिच के धीमा होने पर अहम हो सकता है।

रन बनाना आसान नहीं होगा-

चेपॉक की पिच ज्यादा देर तक आसान रन नहीं देगी। शुरुआत में स्ट्रोक प्ले मुमकिन होगा, लेकिन जब स्पिनर्स मुकाबले में आएंगे तो टिके रहने के लिए हिम्मत चाहिए होगी। पहले बैटिंग करने वाली टीमें आराम से 180-190 तक पहुंचना चाहेंगी, जबकि पीछा करने वाली टीमों को विकेट हाथ में रखने होंगे और बिना सोचे-समझे हिट करने के बजाय सोचे-समझे अटैक पर भरोसा करना होगा।

जिम्बाब्वे रेप्युटेशन बनाने के लिए खेल रही

जिम्बाब्वे एक ऐसी टीम के जोश के साथ आएगा जो गेम के हर फेज में मुकाबला करने में यकीन रखती है। वे अपनी रेप्युटेशन बचाने के लिए नहीं खेल रहे हैं, वे एक रेप्युटेशन बनाने के लिए खेल रहे हैं। उनके कैप्टन सिकंदर रज़ा बैटिंग ऑर्डर को स्टेबल करने और स्मार्ट स्पिन और टाइट लाइन्स से बीच के ओवर्स को कंट्रोल करने की ज़िम्मेदारी उठाते हैं। उनके पेस लीडर ब्लेसिंग मुजरबानी की कोशिश होगी कि वे जल्दी स्ट्राइक करें और पार्टनरशिप बनने से पहले इंडिया के टॉप ऑर्डर को हिला दें।

पिता की तबियत बिगड़ने के बाद नोएडा लौटे थे रिंकू

भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह के पिता खानचंद लिवर कैंसर की बीमारी से जूझ रहे हैं। वे पिछले कुछ दिनों से नोएडा के अस्पताल में भर्ती हैं। मंगलवार को रिंकू भी पिता की तबियत खराब होने के बाद चेन्नई से नोएडा गए थे। इसके बाद से उनकी जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में उपलब्धता को लेकर अटकलें लग रही थीं। वहीं, आज के मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बताया कि रिंकू मैच से पहले टीम से जुड़ सकते हैं।

बेनेट न्यूजीलैंड के टॉप स्कोरर

जिम्बाब्वे के लिए टूर्नामेंट में ब्रायन बेनेट ने सबसे ज्यादा 182 रन बनाए हैं। उन्होंने ही ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ जीत में अहम योगदान निभाया था। ब्लेसिंग मुजरबानी 11 विकेट लेकर टीम के टॉप विकेट टेकर बने हुए हैं। सिकंदर रजा टी-20 इंटरनेशनल में 3000 रन बनाने वाले जिम्बाब्वे के पहले बैटर बनने से 15 रन दूर हैं। जबकि रायन बर्ल 2000 रन बनाने से 57 रन दूर हैं।

मांजरेकर ने भारत के मुख्य कोच पर साधा निशाना, कहा-

गंभीर के लिए हर मर्ज की एक दवा हैं, वॉशिंगटन सुंदर

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्वकप 2026 में सुपर-8 राउंड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। इस हार से भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल का रास्ता मुश्किल हो गया है। उसे बाकी बचे दोनों मैचों में बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद कई पूर्व दिग्गज क्रिकेटर भारतीय प्लेइंग-11 पर सवाल उठा रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा जिस बात की हो रही है, वह है उपकप्तान अक्षर पटेल को बेंच पर बैठाकर वॉशिंगटन सुंदर को खिलाने की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुंदर न तो गेंदबाजी में चले और न ही बल्लेबाजी में। अब इसको लेकर संजय मांजरेकर का बयान सामने आया है। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है।

सुंदर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केवल दो ओवर गेंदबाजी मिली और उन्होंने बिना विकेट लिए 17 रन खर्च किए। बल्ले से सुंदर सिर्फ 11 रन का योगदान दे सके। इसके बाद मांजरेकर ने गंभीर पर तंज कसते हुए स्पोर्ट्स नेक्स्ट पर बातचीत में कहा- कैलाश जीवन, इस नाम की एक दवा हुआ करती थी पहले। अगर आपको सिरदर्द है, तो आप उसे लगा सकते थे। अगर आपके पेट में दर्द है, तो आप उसे खा सकते थे। वह हर मर्ज की एक दवा थी। गौतम गंभीर के पास भी हर मर्ज की एक दवा है। सब उसका नाम जानते हैं- वॉशिंगटन सुंदर। बल्लेबाजी में कोई दिक्कत है तो सुंदर को ले आओ टीम में। गेंदबाजी में कोई समस्या है तो फिर वही सुंदर को ले आओ टीम में। सबका एक ही जवाब है। उन्हें बाकी बल्लेबाजों पर तरजीह दी गई।

कोचिंग स्टाफ ने क्या कहा?

बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने साफ कहा, अगर हेड कोच और टीम मैनेजमेंट को लगता है कि हमें कुछ अलग करना चाहिए, तो हम बदलाव करेंगे। अब हम उस मोड़ पर हैं जहां सोचना होगा कि क्या बदलें और कैसे बदलें। उन्होंने आगे कहा, हमें यह तय करना होगा कि क्या उसी संयोजन के साथ जाएं या कुछ नया आजमाएं। वहीं, रेयान टेन डेशकाटे ने संकेत दिया कि दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संतुलन पर भी चर्चा हो रही है।

मनोरंजन **ग्लैमर वर्ल्ड**

सेना में मेजर हैं थाईलैंड की राजकुमारी

भारत आईं तो साड़ी को दिया गजब का ट्विस्ट, मॉडर्न देसी लुक से जीता दिल

क्या आप किसी ऐसी राजकुमारी को जानते हैं, जो न सिर्फ फैशन डिजाइनर हैं बल्कि सेना में मेजर भी हैं? अगर नहीं तो, चलिए थाईलैंड की राजकुमारी सिरीवनावरी नरिरतना राजकन्या से मिलिए, जो जब भारत आईं तो साड़ी को गजब का ट्विस्ट देकर दिल जीत लिया। देसी के साथ उनका मॉडर्न अंदाज कमाल का लगा। जिसमें वह किसी फैशनिस्टा से कम नहीं लगीं और हर लुक को ग्रेस के साथ कैरी करके छा गईं। यूं तो 39 साल की राजकुमारी भारत- थाईलैंड के सांस्कृतिक संबंधों की मजबूती के लिए चार दिवसीय दौरे पर आई थीं, लेकिन यहां सबकी नजरें उनकी खूबसूरती और स्टाइल पर अटक गईं। राजकुमारी ने साड़ी को अलग- अलग तरीके से स्टाइल किया, तो उससे इंस्पायर ड्रेसेज में भी अपने शाही ठाठ दिखा गईं। जिनका हर रूप क्लास, स्टाइल और ब्यूटी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन दिखा गया। राजकुमारी के इस दौरे के दौरान कई सारे लुक्स देखने को मिले, लेकिन बेस्ट उनका फ्यूजन साड़ियों वाला अंदाज रहा। जिन्हें थाई नेशनल आर्टिस्ट काउचर लेबल ने बनाया। जैसे कि यहां वह रॉयल ब्लू कलर की साड़ी पहने हुए हैं, जिस पर येलो और गोल्डन प्रिंटेड पैटर्न बना है। वहीं, बॉर्डर को सुनहरा टच देकर हाइलाइट किया। जिसका शीयर फैब्रिक लुक को सॉफ्ट और फ्लोई दिखा रहा है, तो उनके इसे ड्रेप करने का अंदाज भी काफी डिफरेंट है।

पल्लू की लेंथ थी काफी बड़ी

राजकुमारी ने साड़ी को प्रॉपर प्लीट्स न देकर रैप स्कर्ट की तरह पेयर ड्रेप किया, जिसके शीयर फैब्रिक में स्लिट कट नजर आ रहा है। वहीं, पल्लू को उन्होंने प्लीट्स में करके बेहद खूबसूरती से कंधे पर ड्रेप किया और फिर बैक साइड से लाकर दूसरे कंधे पर पिनअप कर दिया। जहां पल्लू की लेंथ काफी बड़ी है, जो साइड लॉन्ग ट्रेल जैसा लुक दे रही है। जिसे राजकुमारी ने मांग टीका, इयररिंग्स और वॉच पहनकर स्टाइल किया, तो रेड लिप्स लुक में पॉप कलर ऐड कर गईं। यहां राजकुमारी ग्रीन कलर की बनारसी साड़ी पहने हुए हैं। जिसके बॉर्डर को सुनहरे जरी वर्क से हाइलाइट किया, तो साड़ी पर वर्टिकल लाइन्स में वाइ और येलो कलर से फ्लोरल पैटर्न दिए।

पूजा ने जिंदगी का सबसे खूबसूरत अहसास किया शेयर, कहा- अब जीना सीखा है

अभिनेत्री पूजा भट्ट हिंदी सिनेमा का जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम करके दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई। बुधवार को उन्होंने अपने जीवन से जुड़ा एक बहुत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक खुलासा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वे हाथ में सफेद गुलाब पकड़े नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उनके जीवन में 10 साल का सफर काफी अहम रहा है। पूजा ने लिखा, ÷मंगलवार का दिन मेरे लिए कई कारणों से खास था। आप सभी लोगों से मिला इतना सारा प्यार और समर्थन देखकर मैं दिल से बहुत- बहुत शुक्रगुजार हूं। 54 साल की उम्र होना अपने आप में एक बड़ी बात है, लेकिन सबसे ज्यादा खास बात ये है कि आज मुझे बिना नशे किए 10 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने आगे लिखा, 54 साल तो सिर्फ उम्र के गुजरे हैं, लेकिन पिछले 10 साल मैंने सचमुच जिंदगी को सही मायनों में जीना सीखा है। हर चीज के लिए और खास तौर पर इस सफर के लिए मैं अपने ईश्वर की बहुत आभारी हूं। उन्होंने मुझे यह सही रास्ता दिखाया और इस मुश्किल दौर से निकाला।अभिनेत्री के पोस्ट को कई यूजर्स पसंद कर रहे हैं और उनके इसकी सराहना भी कर रहे हैं। वहीं, अभिनेत्री फलक नाज ने कमेंट सेक्शन में पूजा के लिए हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। पूजा की यह पोस्ट इसलिए भी खास थी क्योंकि 24 फरवरी को उनका जन्मदिन था, जिस दिन वह 54 साल की हो गईं। अभिनेत्री को शराब की लत लग गई थी।

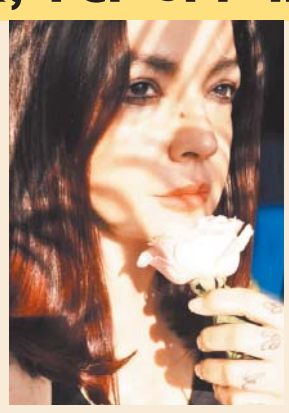

मेट्रो बाजार

एआई का असली लाभ तभी मिलेगा जब वह बहुभाषी होगा

नई दिल्ली । नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब यह बहुभाषी हो, यानी स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं सहित कई भाषाओं को समझने और उनमें संवाद करने में सक्षम हो। अपनी पुस्तक स्मार्टर दैन द स्टॉर्म के विमोचन के अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए, जी20 के पूर्व शेरपा ने कहा कि भविष्य में, भारत उभरती प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने का लक्ष्य रखता है।

इस पुस्तक का एक प्रमुख केंद्र बिंदु भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्थाओं और शासन प्रणालियों को आकार देने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका है। उन्होंने कहा, अब सबसे जरूरी यह है कि इसे (एआई) नवीकरणीय ऊर्जा या मॉड्यूलर सिस्टम, जिसमें सौर, पवन और स्वच्छ ऊर्जा शामिल हैं, के साथ संगत बनाया जाए। दूसरा, अनुकूलन आवश्यक है। सॉफ्टवेयर पर उचित मार्गदर्शन से इसे कुशल बनाया जा सकता है। सह-लेखक सिद्धार्थ सिन्हा ने कहा कि भारत सरकार, इंडिया एआई मिशन के माध्यम से, कंप्यूटिंग और डेटा सेट तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना रही है। हाल ही में संपन्न हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट ने भी देश को वैश्विक एआई मानचित्र पर ला खड़ा किया है। उन्होंने पुस्तक विमोचन समारोह में कहा,क्योंकि सामाजिक क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के संबंध में जो नवाचार आपके प्रश्नों का उत्तर देगा और उसमें बदलाव लाएगा, वह जमीनी स्तर से ही आएगा।

नए अमेरिकी टैरिफ के बाद सोलर स्टॉक्स लुढ़के वारी एनर्जीज और प्रीमियर एनर्जीज टॉप लूजर

मुंबई । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बुधवार को भारतीय सोलर आयात पर 126 प्रतिशत के टैरिफ के बाद सोलर से जुड़े स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सौर उत्पादों पर अनुचित रूप से सब्सिडी देने के लिए भारत से आने वाले सौर उत्पादों पर टैरिफ लगा दिया है। इस फैसले से सौर उत्पादों से जुड़े शेयरों में बिकवाली देखी जा रही है। अब तक के कारोबार में वारी एनर्जीज का शेयर 15 प्रतिशत तक की गिरावट दिखाई है। फिलहाल यह हल्की रिकवरी के साथ 10.83 प्रतिशत गिरकर 2,697 रुपए पर था।

प्रीमियर एनर्जीज के शेयर में बड़ी कमजोरी देखी जा रही है। फिलहाल यह 6.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 728.95 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दिखाई है। इसके अतिरिक्त, विक्रम सोलर में भी दबाव देखा जा रहा है। खबर लिखे जाने तक विक्रम सोलर का शेयर 5.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 174 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर 7.76 प्रतिशत की गिरावट दिखाई है। ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ इंडोनेशिया और लाओस के सोलर उत्पादों पर क्रमश- 143 प्रतिशत और 81 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। 2025 की पहली छमाही में अमेरिका के सोलर मॉड्यूल आयात में भारत, इंडोनेशिया और लाओस की हिस्सेदारी 57 प्रतिशत रही है। 2024 में अमेरिका को भारतीय सोलर निर्यात की वैल्यू 792.6 मिलियन डॉलर थी, यह 2022 की वैल्यू के 9 गुना ज्यादा है।

ब्राजील में भीषण बाढ़ से हाहाकार, 46 लोगों की मौत

रियो डी जेनेरियो। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में कुदरत का भयानक कहर देखने को मिल रहा है। दक्षिण-पूर्व ब्राजील में भीषण बाढ़ से लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है। अब तक 46 लोगों की मौत हो गई। कई लोग लापता है, जिनकी तलाश जारी है। वहीं सैकड़ों लोग अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर है। दक्षिणपूर्वी ब्राजील के मिनास गेरैस राज्य में आई भीषण बाढ़ में लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में इस क्षेत्र में और अधिक बारिश होने की आशंका है।

न्यूज विंडो

पर्यटकों से भरी ट्रैवलर ट्रक से टकराई, एक की मौत, 19 घायल

रोहतास। दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 पर गुरुवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सुअरा गांव के समीप ट्रैवलर ने ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। वाहन में तमिलनाडु के 24 पर्यटक सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक पर्यटक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कुछ देर तक हाईवे पर अफरातफरी का माहौल रहा। पुलिस के अनुसार हादसे में 72 वर्षीय राजू एम (अब्राहम स्ट्रीट, कांचीपुरम, तमिलनाडु) की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना में चालक सहित 19 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को नारायण मेडिकल कॉलेज अस्पताल, जमुहार में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों में कविता (47), कायल कन्नन (50), सिलवा (43), दिव्यदर्शनी (19), के. परी (10), श्रीलता (50) और बालाजी के (49) शामिल हैं।

कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस रिसाव से मचा हड़कंप

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के आइगिनिया इलाके में स्थित एक आलू गोदाम के कोल्ड स्टोरेज में देर रात अमोनिया गैस के रिसाव से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। गैस की तेज दुर्गंध फैलते ही आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। कई लोगों ने आंखों और नाक में जलन की शिकायत की। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया। इस दौरान कोल्ड स्टोरेज में मरम्मत कार्य भी किया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गैस रिसाव कोल्ड स्टोरेज के रिफिल एरिया के पास हुआ। दमकल विभाग की दो गाड़ियों को मौके पर तैनात किया गया, जिन्होंने रिसाव के स्रोत की पहचान कर उसे नियंत्रित किया। एहतियातन कोल्ड स्टोरेज में काम कर रहे सभी कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया।

ईरान में खामेनेई के घर के पास खूनी जंग: 100 लड़ाके ढेर

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान में सुप्रीम लीडर Ali Khamenei के मुख्यालय के पास ह्वाभीषण संघर्ष हुआ। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि इस मुठभेड़ में प्रतिबंधित विपक्षी संगठन मुजाहिदीन-ए-खल्क के कम से कम 100 लड़ाके मारे गए। यह टकराव तेहरान के बेहद सुरक्षित मोताहारी कॉम्प्लेक्स (Motahari Complex) के पास हुआ, जो देश के सबसे संरक्षित सरकारी परिसरों में से एक माना जाता है।ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुबह नमाज के समय स्क्ष्य के लड़ाकों ने कथित रूप से परिसर में घुसपैठ की कोशिश की। इसके बाद सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच कई घंटों तक गोलीबारी चली।IIRGC ने इसे 'विफल आतंकी साजिश' बताया। 100 MEK लड़ाके मारे गए।MEK का दावा: 100 से ज्यादा सदस्य मारे गए या गिरफ्तार हुए, लेकिन 150 से अधिक सुरक्षित लौट गए।स्क्ष्य ने यह भी कहा कि वह मारे गए और गिरफ्तार लोगों के नाम अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों को सौंपेगा। संगठन ने 16 गिरफ्तार सदस्यों के नाम संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत को भेजने की बात कही है।

पीओके पर भारत की पाकिस्तान को फटकार, सुनाई खरी-खरी

जबरन कब्जे वाले इलाके खाली करो

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए तगड़ी फटकार लगाई है। भारत ने इस्लामाबाद पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि जम्मू और कश्मीर का विकास पथ पाकिस्तान की आर्थिक समस्याओं के बिल्कुल विपरीत है।

उच्च स्तरीय सत्र के दौरान भारत की फटकार : 23 फरवरी से 31 मार्च तक आयोजित हो रहे सत्र में 25 फरवरी को आयोजित उच्च स्तरीय सत्र के दौरान भारत के जवाब देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए भारत की प्रतिनिधि अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस समूह ने खुद को एक सदस्य देश के लिए 'प्रतिबिंब कक्ष' के रूप में इस्तेमाल होने दिया है।

पाकिस्तान का लगातार दुष्प्रचार ईर्ष्या से भरा

अनुपमा सिंह ने कहा कि हम इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं। साथ ही यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान का लगातार दुष्प्रचार ईर्ष्या से भरा हुआ है। सिंह ने भारत के उस चिरस्थायी रुख को दोहराया कि जम्मू और कश्मीर 'भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।' उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, 1947 में इस क्षेत्र का भारत में विलय पूरी तरह से कानूनी और अपरिवर्तनीय था। उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र से संबंधित एकमात्र लंबित विवाद पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्रों पर अवैध कब्जा है और उन्होंने इस्लामाबाद से अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों को खाली करने को कहा।

ओआईसी पर भी साधा निशाना

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के दुष्प्रचार को दोहराकर, ओआईसी यह प्रकट करता है कि वह किस हद तक एक सदस्य देश के प्रभाव में आ गया है, और उस देश की राजनीतिक बाध्यताओं के लिए एक प्रतिध्वनि कक्ष बनकर रह गया है। पाकिस्तान का निरंतर दुष्प्रचार ईर्ष्या से भरा है। हम इसे महत्व नहीं देना चाहते, लेकिन तथ्यों के आधार पर इसका खंडन करने के लिए हम कुछ बिंदु उठाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान की किसी भी प्रकार की मनगढ़ंत बयानबाजी या दुस्साहसी दुष्प्रचार इस अटल तथ्य को नहीं बदल सकता कि जम्मू और कश्मीर का भारत में विलय 1947 के भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार पूरी तरह से कानूनी और अपरिवर्तनीय था। वास्तव में, एकमात्र लंबित मुद्दा यह पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्रों पर अवैध कब्जा है। हम पाकिस्तान से जबरन कब्जे वाले क्षेत्रों को खाली करने का आह्वान करते हैं।

हकीकत की दुनिया में रहे हमारा पड़ोसी देश

उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में आम चुनाव और विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान इस बात का प्रमाण है कि वहां की जनता ने पाकिस्तान द्वारा प्रचारित आतंकवाद और हिंसा की विचारधारा को खारिज कर दिया है और विकास और लोकतंत्र के पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर पिछले साल जम्मू और कश्मीर में उद्घाटन किया गया दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, चेनाब रेल पुल, फर्जी माना जाता है, तो पाकिस्तान को हकीकत की दुनिया में रहना चाहिए या शायद उसे यह अविश्वसनीय लगता है कि जम्मू और कश्मीर का विकास बजट आईएमएफ से मांगे गए हालिया राहत पैकेज से दोगुने से भी अधिक है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ सबूत जुटाने में जुटी पुलिस, नाबालिग का करवाया मेडिकल

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज पॉक्सो एक्ट के हाई प्रोफाइल मुकदमे में जांच ने रफ्तार पकड़ ली। पुलिस ने एक नाबालिग पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराया, जबकि दूसरे पीड़ित के बयान और साक्ष्यों के मिलान की प्रक्रिया जारी है। टीम ने माघ मेला क्षेत्र में कथित घटनास्थल का दोबारा निरीक्षण कर शिविरों की स्थिति, वहां की आवाजाही और उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की।

यह मुकदमा अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और तीन अज्ञात के खिलाफ दर्ज हुआ है। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने अदालत में दो नाबालिगों को बयान के लिए प्रस्तुत किया था,

साधु-संतों और चश्मदीदों से की जाएगी पूछताछ

पुलिस की विवेचना अब केवल तकनीकी साक्ष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्यों को भी जुटाया जा रहा है। जांच टीम ने उस शिविर क्षेत्र का मानचित्र तैयार किया है जहां कथित अनुष्ठान आयोजित होने की बात कही गई है। पुलिस अब आसपास के शिविरों के संचालकों, वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों और नियमित आने-जाने वाले साधु-संतों से पूछताछ की तैयारी कर रही है।

जिसके आधार पर पॉक्सो की विशेष अदालत के आदेश पर झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट और पूर्व में दर्ज कराए गए बयानों का मिलान किया जा रहा है।

उद्योगपति अनिल अंबानी ईडी के दिल्ली दफ्तर पहुंचे

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए उद्योगपति अनिल अंबानी दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय पहुंचे। ईडी ने उन्हें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में चल रही जांच के सिलसिले में समन जारी किया था। जांच एजेंसी ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के पाली हिल स्थित अंबानी की आवासीय संपत्ति एबोड को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिसकी कीमत 3,716.83 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

हादसे की जांच की मांग तेज

रोहित पवार बारामती पुलिस स्टेशन पहुंचे, कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी

बारामती। दिवंगत एनसीपी नेता अजित पवार के विमान हादसे की जांच की मांग तेजी से उठ रही है। इस कड़ी में आज (26 फरवरी) कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ बारामती पुलिस स्टेशन के सामने जमा हो गई है। एनसीपी-एसपी विधायक रोहित पवार मामला दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया। वहीं बाहर कार्यकर्ताओं ने पुलिस स्टेशन के सामने धरना शुरू कर दिया है। रोहित पवार और उनके चचेरे भाई युगेंद्र पवार ने गुरुवार (26 फरवरी) को बारामती पुलिस से संपर्क कर 28 जनवरी को हुए विमान हादसे के संबंध में वीएसआर वेंचर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। यह कदम रोहित पवार द्वारा मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में वीएसआर वेंचर्स और उसके

एफआईआर दर्ज करने की मांग

रोहित पवार ने अजित पवार विमान दुर्घटना मामले में वीएसआर कंपनी और डीजीसीए के दोषी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस मांग को लेकर रोहित पवार बारामती पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी जमा हुए हैं। रोहित पवार ने स्पष्ट रुख अपनाया है कि एफआईआर दर्ज होने तक वे वहां से नहीं हटेंगे।

निदेशकों के खिलाफ इसी तरह की शिकायत दर्ज कराने के एक दिन बाद उठाया गया है।

स्कूल के पहले दिन 4 साल के मासूम पर कुत्तों का हमला, सिर की चमड़ी नोची

बीकानेर। बीकानेर में स्कूल के पहले ही दिन 4 साल के मासूम पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। कुत्ते बच्चे के सिर की चमड़ी खा गए। कान को काट लिया और शरीर को बुरी तरह से नोच डाला। बच्चे की चीख सुनकर पहुंचे व्यक्ति ने मासूम को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। मामला बीकानेर के स्वामी विवेकानंद मॉडल सरकारी स्कूल ऊपनी गांव का है। बच्चे का बीकानेर के PBM अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है- बच्चे को गंभीर चोट आई है, सिर की चमड़ी लगाने के लिए सर्जरी करनी पड़ेगी।

गांव ऊपनी निवासी रामू (4) पुत्र रामप्रताप सिद्ध अपने बड़े भाई के साथ पहली बार स्कूल गया था। बच्चा करीब डेढ़ घंटे कक्षा में बैठने के बाद बाहर ग्राउंड में चला गया। इसी दौरान स्कूल का मुख्य दरवाजा खुला पड़ा था, जहां से कुत्तों का झुंड स्कूल में घुस आया। कुत्तों ने मासूम पर हमला कर दिया। कुत्तों के भौंकने और बच्चे के रोने की आवाज स्टाफ तक नहीं पहुंची।

मेट्रो एंकर

दृढ़ संकल्प और साहस की मिसाल बनीं ओडिशा की सुनीता नायक

सुनने और बोलने में असमर्थ 1.5 फीट की छात्रा दे रही मैट्रिक परीक्षा

भुवनेश्वर, एजेंसी

दृढ़ संकल्प और साहस की मिसाल पेश करते हुए ओडिशा के ढेंकानाल जिले के कमाख्यानगर ब्लॉक की एक कक्षा 10 की छात्रा ने असाधारण परिस्थितियों में मैट्रिक परीक्षा देकर सबका ध्यान खींचा है।

महुलपाल पंचायत के अंतर्गत निगमानंद हाई स्कूल की छात्रा सुनीता नायक को राज्य की सबसे छोटी मैट्रिक परीक्षार्थी माना जा रहा है, जिनकी लंबाई मात्र डेढ़ फीट है। पहली नजर में परीक्षा केंद्र के बाहर का दृश्य ऐसा लगता है मानो कोई मां अपने छोटे बच्चे को गोद में लिए हो। लेकिन सच्चाई चौंकाने वाली और प्रेरणादायक है-उसकी गोद में बैठी बच्ची वास्तव में मैट्रिक परीक्षा देने आई परीक्षार्थी है। इस वर्ष सुनीता कानपुर स्थित पंचायतिराज हाई स्कूल में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा दे रही हैं।

शारीरिक चुनौतियों को शिक्षा के रास्ते कभी नहीं आने दिया

सुनने और बोलने में असमर्थता के साथ जन्मी सुनीता ने कभी भी अपनी शारीरिक चुनौतियों को शिक्षा के आड़े नहीं आने दिया। बोल और सुन न पाने के बावजूद उन्हें पढ़ाई से गहरा लगाव है। वे इशारों के माध्यम से संवाद करती हैं और संकेतों से अपने उत्तर व्यक्त करती हैं। परीक्षा के हर दिन सुनीता की मां उन्हें गोद में उठाकर परीक्षा केंद्र तक लाती हैं। केंद्र पहुंचने के बाद कक्षा 9 में पढ़ने वाला एक रिश्तेदार, सुनीता के इशारों के आधार पर उत्तर पुस्तिका में जवाब लिखता है। सामान्य विज्ञान की परीक्षा वाले दिन भी उनकी मां उन्हें स्कूल लेकर पहुंचीं और परीक्षा के बाद गोद में उठाकर घर लौटीं।

उच्च शिक्षा का है सपना

सुनीता की मां संजू नायक ने कहा, 'मेरे पति का करीब 12 साल पहले निधन हो गया था। मैं बचपन से ही उसे परीक्षा केंद्र तक गोद में लेकर जाती आ रही हूं। वह इशारों से जवाब बताती है और मेरा भतीजा लेखक (स्क्राइब) के रूप में मदद करता है।' सुनीता के स्क्राइब प्रताप नायक ने कहा, 'वह मेरी बहन है। वह मुझे संकेत देती है और मैं लिख देता हूं। परीक्षा अच्छी जा रही है।' मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सुनीता उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना देखती है। उनकी दृढ़ता और लगन को लेकर उनके शिक्षक और सहपाठी गर्व और खुशी व्यक्त कर रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564